जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 45 प्रभात जालोर, सोमवार 23 मई, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

एक समय इन्हें ''एमेज़ॉन्स ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री'' कहा जाता था। ऐसी उग्र महिलाओं का एक गोपनीय ग्रुप सायैम (आज का थाइलैण्ड) के साम्राज्य में बेहद शक्तिशाली था। ये महिलाएं किंग ऑफ सायैम की बॉडी गार्ड्स थीं। सन् 1688 में, किराए के 600 यूरोपीय सैनिकों तथा ईसाई समुराई फौज के स्थान पर इस समूह ने कमान संभाली थी और इस समूह के सदस्यों की जिम्मेवारी थी, राजपरिवार तथा पैलेस ग्राउण्ड्स की सुरक्षा सुनिश्चित करना। द एन्सायक्लोपीडिया ऑफ एमेज़ॉन्स (वीरांगनाएं) की लेखक, जैसिका सामनसन इन्हें, सायैम की ''बैस्ट ट्रेन्ड फोर्स'' कहती हैं। ''क्रोम क्लोन'' नाम के इस समूह में 400 महिलाएं थीं। इन्हें, सौ-सौ गार्ड्स की चार बटालियन में बांटा गया था। बटालियन की कैप्टन भी महिला ही होती थी। कैप्टन बदलने का काम राजा चुलालोंगकोर्न स्वयं देखते थे। तेरह वर्ष की उम्र में, समूह में दाखिल होकर, 25 वर्ष की उम्र तक ये महिलाएं सेना में भर्ती हो जाती थीं। उसके बाद वो रॉयल गार्ड का हिस्सा बन जाती थीं। पैलेस में प्रवेश करने के बाद इन महिलाओं को ''सतीत्व'' का प्रण लेना होता था। इस शर्त से निकलने का कोई रास्ता नहीं था। अब अगर राजा का दिल किसी महिला गार्ड पर आ जाए, तो बात अलग थी। इस ग्रुप की हर सदस्य को खूबसूरत तथा बलवान होना ज़रुरी था। चयन के बाद ये अति उत्कृष्ट यूनिफॉर्म में राजमहल में घूमती नज़र आती थीं। घुटनों तक लंबी ऊँनी पोशाक, जिस पर सुनहरे धागे से कढ़ाई की हुई होती थी तथा सोने का मुलम्मा चढ़ा हुआ शिरस्त्राण इनका पहनावा था। राज्य समारोहों के समय हथियार के रुप में ये बरछा-बल्लम लेती थीं। अन्यथा, हर समय इनके हाथों में बंदूक होती थी, जिसे चलाने के लिए इन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था और इनके कौशल असाधारण होते थे। सप्ताह में दो बार इन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था। राजा और उनका भाई महीने में एक बार व्यक्तिगत रुप से इस प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण करते थे। सायैम का राजा अपनी महिला बॉडीगार्ड्स के बिना कहीं नहीं जाता था। सभी वीरांगनाओं का एक ही लक्ष्य व कर्तव्य था - रक्षा। इसलिए, हर महिला गार्ड के लिए पांच महिलाएं नियुक्त की जाती थीं जो उनके घर का कामकाज संभालती थीं। किसी भी तरह की कोई और ड्यूटी नहीं होने के कारण ये वीरांगनाएं ''गार्ड व रक्षक'' के अपने कर्तव्य पर पूरा फोकस रखती थीं। उन्नीसवीं सदी में भर्ती होने वालों की संख्या कम होती गई इसलिए इस समूह को भंग कर दिया गया।

दक्षिण कोरिया को क्वाड में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा अमेरिका

दूसरी तरफ दक्षिण कोरिया क्वाड में शामिल होने के लिए जोरदार प्रयास में लगा हुआ है

- **यदि कोरिया क्वाड में शामिल होता है तो इससे भारत को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही थी।**
- **गौरतलब है कि, 24 मई से क्वाड की मीटिंग शुरु हो रही है और प्रधानमंत्री मोदी इसमें शामिल होने के लिए जापान रवाना हो चुके हैं।**

वाशिंगटन, 22 मई (वार्ता)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया को क्वाड सुरक्षा मंच में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा है, जिसे चीन का मुकाबला करने के लिए साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ सियोल में अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके बाद मंगलवार को होने वाले चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) के शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर जाएंगे। क्वाड चार सदस्यीय साझेदारी है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन ने अपने चुनाव अभियान के दौरान दक्षिण कोरिया और क्वाड के बीच सहयोग का धीरे-धीरे विस्तार करने के लिए क्वाड के विभिन्न कार्य समूहों जैसे जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकियों में भाग लेने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका, आस्ट्रेलिया, भारत और जापान के चतुष्कोणीय गठजोड़ क्वॉड की बैठक के लिए जापान की यात्रा को मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम के हिन्द प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव को लेकर विचार विमर्श का अवसर करार दिया है।

मोदी ने यात्रा के पूर्व अपने वक्तव्य में कहा, मैं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के आमंत्रण पर 23-24 मई, 2022 तक जापान की राजधानी टोक्यो का दौरा करूंगा।

उन्होंने कहा कि बीते मार्च में उन्हें 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापानी प्रधानमंत्री किशिदा की आवभगत का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वह टोक्यो की अपनी यात्रा के दौरान, भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से हमारे संवाद को आगे बढ़ाये जाने के लिए उत्सुक हैं।

मोदी ने कहा,जापान में, मैं सेकेंड इन-पर्सन क्वाड नेता सम्मेलन में भी भाग लूंगा, जो चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड पहलों की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर उपलब्ध कराएगा। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों तथा परस्पर हित के वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जहां हम अमेरिका के साथ अपने विभिन्न पहलुओं वाले द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर चर्चा करेंगे। हम क्षेत्रीय विकास और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी अपना संवाद जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज पहली बार क्वाड लीडर्स सम्मेलन में शामिल होंगे। मैं उनके साथ एक द्विपक्षीय बैठक करने के लिए उत्सुक हूं जिस दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुआयामी सहयोग तथा क्षेत्रीय और पारस्परिक हितों के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग हमारी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा,मार्च शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री किशिदा और मैंने जापान से भारत में अगले पांच वर्षों में सार्वजनिक और निजी निवेश तथा वित्तपोषण में 5000 अरब जापानी येन प्राप्त करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। आगामी यात्रा के दौरान, मैं इस लक्ष्य के अनुसरण में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के ध्येय के साथ जापान के व्यापार जगत के शीर्ष व्यक्तियों के साथ मुलाकात करूंगा।

मोदी ने कहा कि जापान में भारतीय समुदाय के लगभग 40 हजार सदस्य हैं, जो जापान के साथ हमारे संबंधों में एक महत्वपूर्ण आधार हैं। वह उनके साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

सऊदी अरब में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाया

राजस्थान निवासी एक भारतीय नागरिक की हालत गंभीर, भोजन पानी के लिए भी तरसे

- **कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने राष्ट्रपति सचिवालय में याचिका दायर कर जीवन बचाने की गुहार लगाई।**

बूंदी, 22 मई। सऊदी अरब के यंबू शहर में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। इनमें से राजस्थान के टोंक जिले के निवासी सोहनलाल बैरवा की स्थिति गंभीर बनी हुयी है। सोहनलाल का पासपोर्ट नम्बर 5850453 है। बंधक बनाने के बाद सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी लेकिन निर्दयतापूर्वक कई दिनों तक सोहनलाल का इलाज नहीं करवाया गया। बहुत ज्यादा स्थिति बिगड़ने के बाद अब सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाकर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह गंभीर स्थिति में सउदी अरब के यंबू के सरकारी चिकित्सालय में भर्ती है। जहां पर उसे समुचित इलाज और दवाइयां भी नहीं मिल पा रही है।

विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले बूंदी राजस्थान के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नाम राष्ट्रपति सचिवालय में याचिका दायर कर और विदेश मंत्रालय में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के नाम अधिकृत शिकायत दर्ज करवाकर केन्द्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तत्काल शीघ्र सकुशल भारत वापसी करवाने और राजस्थान के निवासी बीमार सोहनलाल का जीवन बचाने की मांग की है। शर्मा ने 25 भारतीय नागरिकों के साथ बंधक नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान व श्रीलंका के निवासी 10 अन्य नागरिकों की भी इनके मूल देश से समन्वय करते हुये मानवीय आधार पर सहायता करने की मांग रखी है।

विदेश से सैकड़ों संकटग्रस्त भारतीयों सकुशल वापसी करवा चुके कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता में बताया कि सऊदी अरब की अलजहरानी कंपनी ने इन सभी लोगों के वीजा रिनुअल नहीं करवाया और सभी का सऊदी अरब में रहने का वैध दस्तावेज इकामा समाप्त करवा दिया। कंपनी ने षडयंत्र पूर्वक इस तरह से 25 भारतीयों सहित इन सभी 35 लोगों को सउदी अरब में अवैध नागरिक बना दिया। अवैध नागरिक होने के बाद इन सभी से पिछले दो वर्ष से अधिक समय से बंधुआ मजदूर बनाकर काम करवाया जा रहा था। कुछ दिनों पहले इन्होंने वीजा रिनुअल करवाकर इकामा बनवाने व परिवार के पास स्वदेश भेजने की मांग रखी तो कंपनी ने इन सभी 35 लोगो को जबरन बंधक बना लिया। भारतीय नागरिकों में राजस्थान, बिहार,दिल्ली, उत्तरप्रदेश सहित कई प्रदेशों के रहने वाले शमशेर, रामप्रवेश, श्यामलाल, इमरान आदि शामिल हैं। कंपनी ने अभी भी इन सभी को बाहर कुछ भी बताने पर धमकी दे रखी है। जिससे कई लोग डरे हुये हैं।

बंधक बनाए गये लोगों में से राजस्थान के जयपुर जिले के निवासी एक श्रमिक सरफ़ुद्दीन ने पूर्व में सउदी अरब में बंधक बनाये गये और भारत लौट चुके राजस्थान के भरतपुर के श्रमिक विश्राम जाटव और बूंदी जिले के नैनवा निवासी अब्दुल गफ्फार को अपनी पीड़ा बतायी। जिसके बाद विश्राम जाटव व गफ्फार ने विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले बूंदी के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा को सारे घटनाक्रम से अवगत करवाया।

मुफ्त एनिमल एम्बुलैंस सर्विस

मेरठ, 22 मई (वार्ता)। पशुपालन डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री संजीव कुमार बालियान ने रविवार को कहा कि किसानों के पशुओं को घर दरवाजे पर मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देश भर में अगले माह से एंबुलेंस सुविधा शुरू की जाएगी।

बालियान ने हरित प्रदेश दुग्ध उत्पादक कंपनी का उद्घाटन करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे देश में 4500 एंबुलेंस के माध्यम से यह सेवा शुरु की जाएगी। एंबुलेंस में एक चिकित्सक , एक फार्मासिस्ट और एक चालक होंगे। इस सेवा के माध्यम से पशुओं को किसानों के घर दरवाजे पर उपचार किया जाएगा और उसकी निगरानी भी की जाएगी।

- **केन्द्रीय मंत्री संजीव बलियान ने बताया कि, अगले माह से देश में पशुओं के लिये मुफ्त एंबलेंस सेवा शुरु की जायेगी।**

बालियान ने बताया कि एंबुलेंस सेवा के लिए राज्यो को धन उपलब्ध करा दिया गया है। एक एंबुलेंस के लिए 16 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पैट्रोल-डीजल पर छोटी सी राहत देकर जनता को भ्रमित न करें मुख्यमंत्री'

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत बोले, ''राजस्थान में अब भी देश में सबसे महंगा तेल''

- **'केंद्र सरकार पर दोषारोपण कर अपने कर्तव्य से मुक्त होना चाहते हैं मुख्यमंत्री'।**

जयपुर/जोधपुर, 22 मई (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर पैट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जिसमें देश में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल मिलता है, लेकिन राज्य के मुखिया अपने गिरेबां में झांककर देखने के बजाय भारत सरकार पर दोषारोपण करते हुए अपने कर्तव्य से मुक्त होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता मुख्यमंत्री की तरफ देख रही है। केवल छोटी सी राहत देकर जनता को भ्रमित करने के बजाय कुछ और अधिक बड़ा कर सकें, इस पर विचार करना चाहिए। रविवार को क्रीड़ा भारती जोधपुर प्रांत के कार्यक्रम से इतर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि बढ़ती महंगाई के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम करने वाली सरकार संवेदनशील है। पूरा देश यह जानता है। लंबे समय से विश्व स्तर पर पैट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि हो रही थी, जिसका भार जनता के ऊपर बढ़ रहा था। एक बार फिर मोदी सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बहुत बड़ी कटौती सेंट्रल टैक्सेज में कर जनता को राहत प्रदान की है। करीब 9.50 रुपए पैट्रोल, 7 रुपए डीजल और गैस में 200 रुपए सब्सिडी का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा बताया गया है कि राज्य सरकार ने भी सुबह 2.48 रुपए पैट्रोल और 1.07 रुपए डीजल पर कटौती करने की अपनी तरफ से घोषणा की है। छोटा सा उन्होंने प्रयास किया है, मैं उन्हें जनता की तरफ से धन्यवाद तो देता हूं, लेकिन यह अवश्य कहूंगा कि अभी भी राजस्थान के चारों तरफ जो प्रदेश हैं, उनमें यहां से सस्ती दर पर पैट्रोल-डीजल मिलता है। राजस्थान सरकार को एक बार फिर इस पर विचार करना चाहिए। शेखावत ने कहा कि जनता को राहत देने के लिए मैं प्रधानमंत्री का अभिनंदन करता हूं।

80 लाख रुपए के डोडा-पोस्त से भरा लावारिस ट्रक पकड़ा

नागौर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने एन.एच.-89 पर गोगेलाव सरहद में रविवार को एक होटल पर लावारिस खडे नमक के कट्टों से भरे ट्रक में 80 लाख रुपए का अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। ट्रक में नमक के कट्टों के नीचे 2508 किलो अवैध डोडा-पोस्त छिपाकर भरा हुआ था। पूरी कार्रवाई सदर थानाधिकारी रूपाराम के नेतृत्व में डी.एस.टी. और सदर पुलिस टीम ने मिलकर गुप्त मुखबरी के आधार पर अंजाम दी। फिलहाल पुलिस ट्रक मालिक की तलाश

- **होटल पर खड़े ट्रक में नमक के कट्टों के नीचे छिपा हुआ था डोडा-पोस्त।**

कर रही है। वहीं ट्रक व माल को जब्त कर मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। नागौर सी.ओ. विनोद कुमार सीपा ने बताया कि रविवार देर रात को सदर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान गुप्त जानकारी के आधार पर सदर थानाधिकारी रूपाराम के नेतृत्व में डी.एस.टी. और सदर पुलिस टीम ने गोगेलाव सरहद में होटल वीर तेजा के बाहर लावारिस खड़े एक ट्रक की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस टीम को ट्रक में कुल 325 नमक के कट्टे मिले। जब इन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दलित युवक की हत्या कर शव सड़क पर फैंका

बीकानेर, 22 मई (नि.सं.)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में एक दलित युवक की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस को शक है कि युवक को

- **बीच सड़क पर पड़ी थी लाश, लाश पर चोट के कई निशान भी मिले।**
- **मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाये।**

मारकर सड़क पर फेंक दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। मौके पर पहुंची एफ.एस.एल. टीम ने भी कई महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया है। लाश पर चोट के कई निशान भी मिले हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के नये प्रधानमंत्री होंगे

ऑस्ट्रेलिया में 2007 के बाद से लेबर पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की है

मेलबॉर्न, 22 मई। ऑस्ट्रेलिया के चुनावों में लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ने जीत हासिल की है और वह अब ऑस्ट्रेलिया के नए पी.एम. होंगे। इस मौके पर पी.एम. मोदी ने उनको बधाई दी है। पी.एम. मोदी ने ट्वीट कर कहा, एंथनी अल्बनीज को ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की जीत और प्रधानमंत्री के रूप में उनके चुनाव के लिए बधाई। मैं अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

2007 के बाद से अल्बनीज की पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की साल 2007 के बाद से अल्बनीज की पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की है। वह जल्द ही पीएम पद की शपथ लेंगे। इस चुनाव में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन हार गए हैं। चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद मॉरिसन ने कहा कि वे अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हैं और वह लिबरल पार्टी के नेता के रूप में इस्तीफा देंगे। मॉरिसन ने ये भी कहा कि उन्हें अपनी पार्टी और देश का नेतृत्व करने का मौका मिला, इसके लिए

- **प्रधानमंत्री मोदी ने नये प्रधानमंत्री को जीत की बधाई दी।**
- **स्कॉट मॉरीसन अगले एक या दो दिन में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे।**

वह सभी को धन्यवाद देते हैं। मैं पार्टी की अगली बैठक में अपना इस्तीफा दे दूंगा।

ऑस्ट्रेलिया में प्रधानमंत्री पद की रेस में 6 लोग उतरे थे। लेकिन मुख्य मुकाबला मॉरिसन और अल्बनीज के बीच ही था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज को उनकी पार्टी की चुनावी जीत पर बधाई दी।

मोदी ने ट्वीट कर कहा, ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की जीत और प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव जीतने के लिए अल्बनीज बधाई। मैं हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं पर आपके साथ काम करने को लेकर आशान्वित हूं। ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि वह जलवायु नीति में बड़े बदलाव के साथ देश को एक नई दिशा में ले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया को अक्षय ऊर्जा महाशक्ति बनाना चाहते हैं। अल्बनीज़ को सोमवार को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेनी है, लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी पार्टी के पास संसद में अपेक्षित बहुमत होगा या नहीं।

पिछले कुछ वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए, इस चुनाव में जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख विषय था। मतगणना अभी भी जारी है, और यह स्पष्ट नहीं है कि संसद के 151 सदस्यीय निचले सदन में बहुमत हासिल करने के लिए लेबर पार्टी को 76 सीटें मिल सकती हैं या नहीं। अंतिम परिणाम आने में अभी समय लग सकता है, क्योंकि चुनाव अधिकारियों ने अभी करीब 30 लाख डाक मतों की गिनती शुरू की है।

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

बदलावों के प्रति स्वस्थ और सकारात्मक नज़रिया अपनाने की ज़रूरत!

कल एक पुरानी फ़िल्म देख रहा था। एक दृश्य था जिसमें नायिका की छोटी बहन उस वक़्त चलन में रहे स्पूल वाले बड़े टेपरिकॉर्डर पर कोई गाना सुन रही थी। जिन्हें नहीं पता उन्हें बताता चलूं कि एक ज़माना था जब टेपरिकॉर्डर लगभग सूटकेस के आकार के हुआ करते थे। महंगे तो होते ही थे। गिने-चुने लोग ही इस विलासिता को अफोर्ड कर सकते थे। इस तरह के टेपरिकॉर्डर्स के भी पहले वे ठाामोफ़ोन चलन में थे जिनमें हेण्डल घुमा कर चाबी भरनी पड़ती थी। दो तरह के होते थे ये ग्रामोफ़ोन। एक तो अटैची की तरह के पोर्टेबल और दूसरे, ज़रा ज़्यादा भव्य लगने वाले, जिन्हें आप एचएमवी के लोगो में आज भी देख सकते हैं: एक कुत्ता एक भौंपू के सामने बैठा है। ये भव्य ग्रामोफ़ोन भोंपू वाले होते थे। हमारे देखते-देखते ये सब अब लुप्त हो गए हैं। नई पीढ़ी तो इनके बारे में जानती भी नहीं है। लेकिन जब मैं उस फ़िल्म में वह स्पूल वाला टेपरिकॉर्डर देख रहा था तो उसकी भव्यता मुझे सम्मोहित भी कर रही थी। भव्यता ग्रामोफ़ोन में थी, रिकॉर्डचेंजर में थी, स्पूल वाले टेपरिकॉर्डर में थी और भी बहुत सारी चीज़ों में थी। लेकिन अब वह सब अतीत है।

तकनीक ने इतनी तेज़ी से सब कुछ बदला है कि हम स्वयं चकित हैं। आज संगीत सुनना, और न केवल सुनना उसका ख़ज़ाना अपने पास रखना जैसे बच्चों का खेल हो गया है। आपके पास अगर ठीक-ठाक-सा मोबाइल हो तो उसमें आप इतना संगीत सहेज सकते हैं कि उसे सुनने के लिए एक उम्र भी कम पड़े। उसे जहां और जब चाहे सुन सकते हैं। अगर सही ग़लत (पाइरेसी!) की फिक्र न करें तो यह सारा संगीत आपको नि:शुल्क सुलभ है। एक-एक गाने के लिए इधर-उधर भटकना जैसे पिछले जन्मों की बात हो गई है। अब तो तकनीक की इस मेहरबानी से आपको सब कुछ, करीब-करीब पलक झपकते ही मिल जाता है।

और ऐसा ही अन्य बहुत सारी कलाओं और साहित्य के मामले में भी हुआ है। मुझ जैसे जिन लोगों को किताबें खरीदने और पढ़ने का जुनून है वे इस बात से दु:खी रहते थे कि जो पढ़ना है उसे प्राप्त कहां से करें, और कर लें तो घर में इतनी जगह कहां से निकालें कि उसे सहेज कर रख सकें। अब जैसे यह समस्या रही ही नहीं है। और अगर आप चाहें तो आपको पढ़ने की भी ज़हमत से निजात मिल सकती है। आप पढ़ने की बजाय सुन कर भी संतुष्ट हो सकते हैं। बहुत सारा साहित्य नि:शुल्क ही आपको सुलभ है और उसे सहेज कर रखना भी बहुत सुगम हो गया है। एक पॉकेट बुक के आकार वाले उपकरण (जैसे किण्डल) में आप हज़ारों किताबें सहेज कर रख सकते हैं। कितना रोमांचक लगता है एक भरा-पूरा पुस्तकालय अपने हाथ में लिये हुए एक कमरे से दूसरे कमरे में, एक शहर से दूसरे शहर में, एक देश से दूसरे देश में आवागमन कर लेना।

हम हर बदलाव का अपने नज़रिये से आकलन करें, उसे परखें और उसके बाद ही उसे अस्वीकार या स्वीकार करें - यही औचित्य का तकाज़ा है। यह भी समझ लिया जाना चाहिए कि हर बदलाव हरेक के लिए एक समान अर्थ नहीं रखता है। इसलिए बदलाव के प्रति सामूहिक रुख का कोई अर्थ नहीं है।

आप दुनिया भर की फ़िल्में, वे फ़िल्में जिन्हें देखने के लिए आप बरसों बरस इंतज़ार करते थे, फ़िल्म सोसाइटियों के सदस्य बनते थे, अब आपकी पहुंच में हैं। अगर आपकी रुचि चित्रकला में है तो अपने कमरे में बैठे-बैठे दुनिया भर के संठाहालयों का भ्रमण कर सकते हैं और वह भी इस तरह कि आपको महसूस ही न हो कि आप सशरीर वहां मौज़ूद नहीं हैं।

जो बदलाव आस्वाद में आया है वही सृजन में भी आया है। अपने चारों तरफ नज़र दौड़ाएं। आप पाएंगे, अब लिखना पहले से ज़्यादा आसान हो गया है। यहां तक कि बिना लिखे भी लिख सकते हैं। मेरा आशय बोलकर लिखने की नई प्रविधि से है। आप अपने लिखे को सहेज सकते हैं, उसमें मनचाहा बदलाव कर सकते हैं। कर पहले भी सकते थे, बल्कि करते थे लेकिन यह सुगमता नहीं थी। आप बिना लम्बे-चौड़े तामझाम के फोटोग्राफी कर सकते हैं। मात्र एक उपकरण से आप ऐसा संगीत रच सकते हैं जिसे सुनते हुए एक बड़े ऑर्केस्ट्रा को सुनने का सुख मिले। बिना रंगों और कैनवस के आप तस्वीरें बना सकते हैं। डिजिटल कण्टेण्ट का सर्जक बनने से हम पहले से कई गुना ज़्यादा समर्थ और सक्षम हो गए हैं।

सब कुछ बदल गया और बहुत तेज़ी से बदलता जा रहा है। सुलभता बढ़ती जा रही है, उसकी गुणवत्ता बढ़ती जा रही है। ये बातें स्वागत योग्य हैं। लेकिन जब मैं यह बात कह रहा हूं तो मन के किसी कोने से एक आवाज़ यह भी आ रही है कि प्रयत्न करके चीज़ों को प्राप्त करने पर जो सुख मिलता था वह इस सहज सुलभता ने हमसे छीन लिया है। चीज़ें इतनी आसानी से और इतनी विपुलता में हमारे सामने फैली पड़ी हैं कि वे जैसे हमें बेमानी लगने लगी हैं। जब आप किसी किताब के लिए लाइब्रेरी-दर-लाइब्रेरी भटकते थे और बहुत प्रयत्नों के बाद उसे अपने हाथों में पाते थे, तब जो सुख मिलता था वह सुख किसी किताब को तुरंत डाउनलोड कर लेने पर कहां मिलता है? जो सुख कई जगह तलाश कर लेने के बाद किसी छोटी-सी दुकान पर अपना मनचाहा गाना मिल जाने और फिर उसे अपनी कैसेट में रिकॉर्ड करवा कर सुनने पर मिलता था वह सुख अब जैसे कहीं विलुप्त हो गया है। यही बात अन्य कलाओं के बारे में भी है। हमारे पास है बहुत कुछ लेकिन उसमें वह रस, वह आनंद नहीं है। लेकिन ये सब बातें मेरी पीढ़ी करती है। नई पीढ़ी तो इस तरह नहीं सोचती है। उसका यथार्थ तो यही सब है और वह इससे संतुष्ट है।

लेकिन यह सब मैं क्यों कह रहा हूं? हम जहां तक चले आए हैं, क्या वहां से पीछे लौट जाना सम्भव है? और क्या हमें लौटने के बारे में सोचना भी चाहिए? बहुत सारी पुरानी चीज़ों के प्रति अपने अनुराग के बावज़ूद मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट हूं कि हम पीछे नहीं लौट सकते। हमें आगे ही बढ़ना होगा। और जब हम पीछे नहीं लौट सकते तो फिर हमें जो वर्तमान है और जो भविष्य में होने वाला है उसके प्रति एक तार्किक और स्वस्थ नज़रिया भी अपनाना होगा। इसी में हमारा हित है।

तकनीक हमारी ज़िंदगी को बहुत तेज़ी से बदल रही है और हम चाहें या न चाहें ये बदलाव तो आएंगे ही। बहुत मुमकिन है कि हममें से कुछ लोग एक चीज़ को अपनाएं और दूसरी को न अपनाएं। कोई आज भी हाथ से लिखना ही पसंद कर सकता है, कोई आज भी कागज़ पर छपी किताब को पढ़कर ही असली सुख महसूस कर सकता है, कोई आज भी फ़िल्म वाले कैमरे से ही फ़ोटोग्राफी कर सकता है। यह सब हमारे वैयक्तिक चयन की बातें हैं और इन पर कोई बहस या टिप्पणी करना बेमानी है। असल बात तो यह है कि हमें बदलावों के प्रति एक स्वस्थ और सकारात्मक नज़रिया अपनाना होगा। अति सबकी बुरी होती है। स्वीकार की भी और अस्वीकार की भी। एक स्वस्थ दृष्टि यह हो सकती है कि हम नए के प्रति खुला और उदार नज़रिया रखें और उससे हमारा जो हित हो रहा है उसे मुक्त मन से स्वीकार करें, और ऐसा करते हुए उन बातों पर भी ध्यान दें जो उस नए के कारण हो रही हैं और जिन्हें नहीं होना चाहिए था। बहुत बार नए और पुराने के बीच संतुलन और तालमेल से भी बात बन जाती है। आप मुद्रित किताब भी पढ़ सकते हैं और यथावश्यकता उसके डिजिटल संस्करण का भी उपयोग कर सकते हैं। आप किसी रंगशाला या चित्र वीथी में भी जा सकते हैं और छोटे या बड़े पर्दे पर भी उनका आनंद ले सकते हैं। मुझे हमेशा लगता है कि जीवन का असल आनंद संतुलन में ही है। अति से बात बनती नहीं है। हो सकता है किन्हीं खास क्षणों में हम अतिवादी रुख अख़्तियार कर लें, यह भी हो सकता है कि वह रुख हमें तात्कालिक रूप से जीत दिला दे, हमें सर उठाने का मौका दे दे, हमें त्वरित संतोष प्रदान कर दे, हमेशा ऐसा ही हो यह क़तई ज़रूरी नहीं है।

जीवन में जो बदलाव आ रहे हैं, उन सबके प्रति नकार का भाव उतना ही अनुचित है जितना उन सबके प्रति आंख मूंद कर स्वीकार का भाव है। ये दोनों भाव अतिवादी हैं और इनसे बच कर चलने में ही हमारा हित छिपा हुआ है। हम हर बदलाव का अपने नज़रिये से आकलन करें, उसे परखें और उसके बाद ही उसे अस्वीकार या स्वीकार करें - यही औचित्य का तकाज़ा है। यह भी समझ लिया जाना चाहिए कि हर बदलाव हरेक के लिए एक समान अर्थ नहीं रखता है। किसी के लिए वह बहुत अच्छा हो सकता है और किसी अन्य के लिए वैसा नहीं भी हो सकता है। इसलिए बदलाव के प्रति सामूहिक रुख का कोई अर्थ नहीं है।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

राजस्थान के लोक-चित्र- एक सशक्त और समृद्ध परंपरा

कला जब लोकतान्त्रिक रूप से सभी की हो जाती है तो लोक जीवन की या लोक कलाएं हो जाती है। अन्य लोक कलाओं की तरह लोक चित्र भी मानवीय संवेदनाओं और भावों का प्रदर्शन ही तो होते हैं।

लोक कलाएं ही तो है, चाहे लोक-चित्र ही क्यों न हो, इनमें ही तो संस्कृति और संस्कारों की जड़े फैली होती है और लोक-जीवन को प्राणवायु देती रहती हैं। राजस्थान की चित्रांकन-परम्परा में केवल रंग और कूंची का समागम ही नहीं है, बल्कि इनमें कला की अन्य विधाएं, चाहे गीत व नृत्य हो, कहानियां हो, पर्यावरण हो, पशु पक्षी हो, लोकाचार, लोक-संस्कार, धर्म-अध्यात्म, ग्रह-नक्षत्र और हमारी जीवन शैली हो, वह भी इन लोक चित्रों में शामिल है।

अन्य क्षेत्रों की भांति, राजस्थान के लोक चित्रों में भी धार्मिक अनुष्ठान, संस्कृतिक समन्वय, आर्टिस्टिक इनोसेंस और विशिष्ट शैली या परपोसन का समावेश देखा जा सकता है। लोक चित्रांकन-परम्परा में कोई ज्यादा तामझाम वाले उपकरणों की या टूल्स की जरूरत नहीं पड़ती और यही लोक चित्रों की या लोक कलाओं की खूबसूरती होती है। आमतौर पर किसी क्षेत्र विशेष के लोक चित्र बनाने हेतु आस-पास पाए जाने वाले पेड़-पौधों की टहनियां, नेचुरल फाइबर, मिट्टियां और गोंद काम में आती है। फड चित्रों या पिछवाई में लोकल पिगमेंट्स जैसे हिर्मिच, हिंगलू, पेवडी बहुत काम में आते हैं, तो मांडना के लिए गाय का गोबर, खड़िया मिट्टी, हल्दी आदि का उपयोग होता है तो अभिप्राय यह है कि भाव को प्रकट करने के लिए लोक कलाकार या यूं कहें लोक चित्रकार कभी भी संसाधनों का मोहताज नहीं रहा। राजस्थान के संदर्भ में तो लोक चित्रों के नाना प्रकार होते हैं और किसी भी चित्र के तीन एलिमेंट्स होते है, सपोर्ट - यानि किस सतह पर वह चित्र बना है जैसे कपड़ा, कागज, भित्ति और लकड़ी।

इसी तरह से माध्यम जैसे रंग जिसमे गेरू, खड़िया, नील, हिर्मिच, पेवडी आदि प्रमुख है, वैसे तकनीक तो आमतौर पर एक जैसी ही होती है बस थोडा फीचर और नयन नक्श में बदलाव होता है। यह कलाकार की परंपरा और कभी -कभी व्यक्तिगत शैली पर भी निर्भर करती है, जैसे फड या पिछवई कपडे पर बनाये जाते है, पाने कागज पर और कावड लकड़ी पर।

राजस्थानी लोक चित्रों पर पर लिखना अथाह और असीमित है । उदयपुर के पास में गांव है बस्सी और जिसमें लकड़ी के खिलौने, पोर्टेबल टेम्पल आदि का विषय देवी-देवताओं का जीवन चरित्र व पौराणिक घटनाएं और महापुरुषों की जीवन गाथा हो सकती है और आज के दौर में तो कंटेंपरेरी विषयों पर भी चित्र बनाए जा रहे हैं। कावड बनाने वाले कारीगर, सुथार या जांगिड ब्राह्मण होते है और जो कावड भी बनाते है और चित्र भी। जंगलों में पाए जाने वाली कवेलू के महीन टुकडो को पीसकर गोंद के साथ मिलकर कावड पर लगाया जाता है और इस प्रक्रिया को इन्टाला कहा जाता है फिर लाल पत्थर घिस कर उसको रंगा जाता है। कावड पढने वाले कावड़िया भाट और जो जजमान आमंत्रित करते थे, वे कावड खुलवाने वाले कहलाते थे।

भारतीय लोक चित्र परंपरा में कावड भी एक तरह की विजुअल एड ही है और पुराने दौर में नीतिगत व मानवीय मूल्यों को धर्म व अध्यात्म के माध्यम से समझाने का सार्थक व लोकतांत्रिक तरीका रहा है। जब कावड के सभी पट पूरी तरह से खुल जाते हैं तो बीच में तीन मूर्तियां रहती है जो आमतौर पर रामचंद्र जी की, सीता जी की और लक्ष्मण जी की होती है । अब इन दिनों अलग-अलग विषयों पर कावड बन रही है। स्टोरी टेलिंग में या सूचनाओं के संप्रेषण में कावड सरीखे विजुअल ऐड्स महत्वपूर्ण होते थे और लोगों में नव भाव पैदा कर देते थे। राजस्थान में लकड़ी

अब्दुल लतीफ़ उस्ता

माध्यम पर कावड के अलावा देवल, तोरण, खांडे, बाजोट, चोपड़ा, माणकथंभ, आलिये व गंजीफे आदि बनते थे। कपडे पर भी फड और पिछवाई लोक चित्र बनते हैं। शाहपुरा, भीलवाड़ा का जोशी परिवार फड बनाने की कला में बहुत माहिर रहा है और वास्तव में इनको बनाने का मकसद वही होता है जो कावड का होता है। फड स्क्रॉल की तरह होता है जिस पर अलग-अलग लोक देवताओं के जीवन की घटनाओं पर चित्र बनाए जाते रहे हैं। राजस्थान में फड बनाने की बड़ी सशक्त परंपरा रही है और चित्रित लोक देवताओं का भी बहुत मान और महत्व रहा है।

पाबू, हडबू, रामदेव, मांगलिया मेह। पांचू पीर पधारजो गोगाजी जेह

लोक देवताओं ने सामाजिक मूल्यों के लिए, सामाजिक समरसता के लिए और समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अपने जीवन को न्योछावर किया, तो उन्हीं की सुकीर्ति है जिसको बताने के लिए फड़े बनती रही हैं। सबसे रोचक बात यह है कि फड बांचना अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि इसे लयबद्ध व संगीतमय तरीके से बाँचा जाता है ताकि आमजन के लिए रुचिकर व ग्राह्य हो सके। फड बांचने वाले को भोपा और भोपन कहा जाता है। देवनारायण जी, रामदेव जी, पाबूजी की फड़े महत्वपूर्ण है, लेकिन आजकल कंटेंपरेरी मुद्दों जैसे बेटी बचाओ दहेज विरोधी अभियान जैसे मुद्दों पर भी फडे

- **लोक कला का संरक्षण कला के सापेक्ष में व रोजगार के अवसरों को पैदा करने में भी महत्वपूर्ण रहेगा**

बनती व बांचती देखी जा सकती है।

लोक कलाओं की एक खूबी भी यह रहती है कि वह स्वयं को मूल में रखते हुए नए एलिमेंट्स को अपने में मिला लेती है। कपड़े पर अन्य लोक चित्र बनते हैं उनमें पिछवाईयाँ प्रमुख है। पिछवई का सम्बन्ध प्रसिद्ध श्रीनाथजी मंदिर से है। पिछवाई भी कपड़े पर बनती है और फड भी कपड़े पर बनी है तो फिर उनमें अंतर क्या रहा? पिछवाई को नरेट नहीं किया जाता, आम तौर पर इसमें कंपार्टमेंटाइजेशन भी नहीं होता जैसा कि फड में होता है।मांडने दीवारों पर बनाए जाने वाले चित्र है जिसमे दीवार पर मिट्टी और गाय के गोबर से लेप किया जाता है और फिर अलग-अलग पैटर्न में हल्दी, हिंग्लू जैसे रंगों से अलग-अलग अवसरों के लिए मांडने बनाए जाते हैं। जैसे पगल्या - दीपावली के समय लक्ष्मी पूजन से पूर्व देवी के घर में आगमन के रूप में, ताम-विवाह के समय लग्न मंडप में शुभ दाम्पत्य हेतु, चैकडी- होली के अवसर पर, थापा-घर की चौखट पर कुमकुम तथा हल्दी से बनाए गये हाथों के निशान होते हैं। इसी तरह से मोरड़ी माण्डणा-दक्षिणी तथा पूर्वी राजस्थान में मीणा जनजाति की महिलाओं द्वारा घरों में बनाई गई मोर की आकृति मोरड़ी माण्डणा कहलाती है। स्वास्तिक /सातिया/सांखिया- उत्तरी व पश्चिमी राजस्थान में सांखिया, तथा पूर्वी राजस्थान में सातिया कहलाता है।मांगलिक अवसरों पर ब्राहाणों के द्वारा मन्त्रोचार से पूर्व पूजा के स्थान पर स्वास्तिक का अंकन किया जाता है। मांडणा बनाए जाने के दौरान महिलाएं सुंदर आवाज में गीत भी गाती हैं। लोक चित्र को अन्य माध्यमों पर उकेरने के अलावा मानव ने खुद की देह पर भी चित्रांकन किया है, जिनमे मेहंदी और गोदना प्रमुख है। अलग -अलग अवसरों पर मेहंदी लगाना राजस्थान की प्राचीन लोक कला रही है जो समृद्धि और जीवन का प्रतीक है।

रहीमजी ने लिखा भी है

यों रहीम सुख होत है, पर उपकारी के संग।

बाँटनवारे को लगे, ज्यों मेहँदी को रंग॥

इसी तरह ख्यातनाम साहित्यकार सौभाग्य सिंह शेखावत जी के शब्दों में

रच दे मेहँदी राचनि, नाचन रनमुख नाह।

जीता जंग बधावस्या, कटिया तन संग दाह॥

मेहँदी के अलावा देह सिंगार की गोदना परम्परा आज दुनिया के कोने-कोने में इस कदर पहुंच गई है कि इसका अनुभव करने के लिए कई पर्यटक राजस्थान खींचे चले आते हैं। कुछ लोकप्रिय गोदना डिज़ाइनों में चेहरे पर वृत्त और अर्धचंद्राकार, डॉट पैटर्न, बिच्छू, तोते, फूल और बाँहों पर देवी-देवताओं की छवियां शामिल हैं।बछड़ों पर और महिलाओं की छाती के बीच फूलों की एक विशाल विविधता, शाश्वत जीवन के पेड़ या कल्प वृक्ष और ऊंट, घोड़े, मोर और मगरमच्छ की एक जोड़ी जैसे जानवरों के भी गोदना बनाये जाते है। राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की महिलाएं अपने प्रेम और भक्ति के प्रतीक के रूप में अपने पति के नाम के गोदना बनवाती हैं। सार रूप में, राजस्थान की लोक चित्रांकन परम्परा अपने आप में निस्संदेह अनूठी है और इस विधा का संरक्षण न केवल कला के सापेक्ष हितकारी है बल्कि रोजगारपरक अवसरों को पैदा करने में भी महत्वपूर्ण रहेगा।

अब्दुल लतीफ़ उस्ता,
कला एवं विरासत अध्येता

मिनी सचिवालय के मुख्य द्वार पर बने शौचालय में फैली गन्दगी

सादुलपुर, (निसं)। मिनीसचिवालय के मुख्य द्वार पर बने शौचालय की साफ-सफाई नहीं होने के कारण जहां मिनीसचिवालय में आने वाले लोग परेशान हैं, वहीं दुसरी ओर प्रलेख लेखक, अधिवक्तागण व स्टाम्प वेंडरों को शौचालय में फैली गन्दगी में ही शौच जाने का मजबूर होना पड़ रहा है। गंभीर बात तो यह है कि इस शौचालय में शराब के खाली पव्वों को ढेर लगा हुआ है ।

इस परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस अधिकारी तथा न्यायिक अधिकारियों के निवास करने के बाद भी बिना किसी डर व भय के लोग यहां पर शराब पीकर चले जाते हैं तथा शराब के खाली पव्वे शौचालय में फैंक कर इतिश्री करते हैं। यहां एसडीएम राजगढ, तहसीलदार राजगढ, एडिशनल एसपी एवं न्यायिक अधिकारियों सहित अन्य कार्मिकों के आवासीय भवन भी बने हुए हैं । हांलाकि इस शौचालय की

मिनीसचिवालय के मुख्य द्वार पर बने शौचालय की साफ-सफाई नहीं होने से लगा गन्दगी व शराब के खाली पव्वों को ढेर ।

गंदगी के लिए गहरा होदनुमा गटर बना हुआ था। जिसकी ऊपर से छत गिरने के बाद उपखण्ड अधिकारी राजगढ़ द्वारा जीर्णोद्धार नहीं करवाने के बजाय गटर को मिटटी से भरवा दिया गया । जिससे अब शौचालय में ना तो पेशाब की निकासी हो पाती है और ना ही इस शौचालय की साफ-सफाई की पाती है। आज आमजन, अधिवक्तागण, स्टाम्प वेंडर एवं प्रलेख लेखकों को गन्दगी एवं खाली पव्वों से भरे शौचालय में ही शौच जाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

- **यहां एसडीएम राजगढ, तहसीलदार राजगढ, एएसपी एवं न्यायिक अधिकारियों के आवास बने हुए हैं**
- **आमजन, प्रलेख लेखक, अधिवक्तागण व स्टाम्प वेंडरों को गन्दगी में ही शौच जाना पड़ रहा है**

लाखों रुपए की लागत से बना मसूदा का मुख्य बस स्टैंड बदहाल

मसूदा, (निसं)। मसूदा कस्बे में बने नए बस स्टैंड का रख रखाव नहीं होने एवं बसों का ठहराव बंद हो जाने से हाल बेहाल हो गया है। मसूदा कस्बे में यात्रियों की सुविधा एवं बसों के लिए पर्याप्त स्थान को लेकर रामगढ़ चौराहे पर नए बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था ।

बस स्टैंड के निर्माण के बाद कुछ समय तक रोडवेज आगार द्वारा बुकिंग भी शुरू की जिससे सभी मार्गों पर आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। इससे यात्री भी बस स्टैंड पर जाकर बसों का इंतजार कर लेते थे लेकिन पिछले दो-तीन सालों से नए बस स्टैंड पर रोडवेज आगार की और से बुकिंग बंद कर दिए जाने के बाद बस स्टैंड का हाल बेहाल होना शुरू हो गया। इसके चलते नया बस स्टैंड

मसूदा के नए बस स्टैंड पर फैली गंदगी एवं घूमते आवारा जानवर।

का इंतजार करने वाले यात्रियों को बसों के बस स्टैंड के बाहर से ही निकल जाने से बैरंग लौटना पड़ता है। कई बार कस्बे वासियों द्वारा बस स्टैंड को सुचारू चलाने को लेकर गुहार लगाई जाने के बाद भी कोई सुध नहीं लेने से वर्तमान में बुकिंग के रूप में रखी कुर्सी एवं अन्य सामान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं साथ ही यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां भी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही हैं साथ ही बस स्टैंड भवन का फर्ज भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो रहा है। लाखों रुपए की लागत से बना नया बस स्टैंड अब लावारिस मवेशियों की शरणगाह व गंदगी फैलने के लिए कचरा पात्र बनकर रह गया है ।

जिला परिषद सदस्य दिनेश टाक ने जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा को पत्र प्रेषित कर मुख्य बस स्टैंड को दुरुस्त कराने के लिए बजट आवंटन करने की मांग की। उन्होंने पत्र में बताया कि रामगढ़ बांदनवाड़ा रोड पर ग्राम पंचायत मसूदा द्वारा कई वर्ष पूर्व बस स्टैंड भवन का निर्माण कराया गया था लेकिन पिछले कुछ साल से बस स्टैंड का संचालन नहीं होने से बस स्टैंड की इमारत खंडर बन गई एवं परिसर में गंदगी के ढेर लग गए । यात्रियों के लिए बनाए गए सुविधा घर भी खंडित हो गए दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

- **बुकिंग, बिजली पानी बंद, दरवाजे, कुर्सियां एवं टूटा फर्नीचर**
- **लावारिस मवेशियों व असमाजिक तत्वों की शरणागाह बना बस स्टैंड**
- **जिला परिषद सदस्य दिनेश टांक ने बस स्टैंड के लिए मांगा बजट**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 23 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 10:22 तक, वैधृति योग रात्रि 1:05 तक, कौलव करण दिन 11:35 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-कुम्भ, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज त्रिलोकनाथ अष्टमी, वैधृति पूण्य, पंचक है और शुक्र मेष राशि में रात्रि 8:27 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:21 तक, शुभ 9:02 से 10:42 तक, चर 2:04 से 3:45 तक, लाभ-अमृत 3:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:07

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता वातावरण बना रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में आपसी अनबन-वाद-विवाद बढ़ने का भय है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

मकर

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वभाव पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

आजादी का अमृत महोत्सव पर प्रदक्षिणा परिक्रमा में शेखावत ने चलाई डेविडशन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर प्रदक्षिणा परिक्रमा का आयोजन 75 बाइक सवारों के साथ शुरू हो गया। सडक्रों पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज हार्ले डेविडसन बाइक चलाई। केंद्रीय मंत्री ने करीब 10 किलोमीटर तक बाइक दौड़ाई। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती की ओर से बाइक रैली निकाली गई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि भारत प्रदक्षिणा का यह कार्यक्रम राष्ट्रवाद और देशभक्ति से ओत-प्रोत है। आजादी के अमृत महोत्सव में हमें नए, समर्थ और सशक्त भारत का संकल्प लेना है।

जोधपुर शहर में आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के लेकर प्रदक्षिणा परिक्रमा का आयोजन 75 बाइक सवारों के साथ शुरू हुआ। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हार्ले डेविडसन बाइक चलाई।

इन मार्गों से होकर निकली बाइक रैली

बाइक रैली श्री विश्वकर्मा स्कूल ए-सेक्टर शास्त्री नगर से आरंभ होकर दल्ले खां की चक्की, बारहवीं रोड चौराहा, पांचवीं रोड, जालोरी गेट, सोजती गेट से मेजर शैतान सिंह चौराहा पावटा, बावड़ी तक पहुंची। करीब 10 किलोमीटर बाइक चलाने के बाद केंद्रीय मंत्री शेखावत ने क्रीड़ा भारती के इस कार्यक्रम की तारीफ की। जोधपुर में 7 जगह बाइक रैली निकाली गई थी।

उन्होंने जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह जोधा और संयोजक डॉ. कमल जांगिड़ को बधाई दी।

क्रीड़ा भारती के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम सब लोग सौभाग्यशाली हैं, जो हमें इस देश के लिए काम करने का अवसर मिला। सनातन सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए हमारे पूर्वजों ने हजार साल से भी ज्यादा समय तक संघर्ष किया। लाखों लोगों ने कुर्बानी दी। अपने बच्चों को पत्थर में चिनवा दिया। महिलाओं ने आत्मदाह कर सनातन संस्कृति और धर्म को बचाया। आजादी की लड़ाई में लाखों लोग फांसी के फंदे पर झूले।

शेखावत ने कहा कि भारत की लाखों साल की सभ्यता में आजादी के 75 साल का कालखंड बहुत छोटा है। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते हैं कि हम सबको इस बात का आकलन करना चाहिए कि 75 साल तक हम क्या कर सकते थे, जो हमने नहीं किया। हम क्या हासिल कर सकते थे, जो हम हासिल नहीं कर पाए। इसी की कल्पना करते हुए हमें अगले 25 साल देश के लिए समर्पित होकर काम करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की। जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह जोधा और संयोजक डॉ. कमल जांगिड़ कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर पूर्व महापौर घनश्याम ओझा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त घोष, उप महापौर किशन लड्ढा, यात्रा के संयोजक वरुण धनाडिया, पुखराज जांगिड़ सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

उत्कर्ष कार्यशाला में साक्षात्कार के अनुभव साझा किए

उत्कर्ष द्वारा डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय मॉक इंटरव्यू कार्यशाला के तीसरे दिन राजस्थान एसआई के आगामी साक्षात्कार चरण के लिए चयनित अभ्यर्थियों से संस्था के पूर्व विद्यार्थियों एवं वर्तमान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं के साक्षात्कार अनुभव साझा किए।

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष द्वारा डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में रविवार को आयोजित सात दिवसीय मॉक इंटरव्यू कार्यशाला के तीसरे दिन राजस्थान एसआई के आगामी साक्षात्कार चरण हेतु चयनित अभ्यर्थियों से संस्था के पूर्व विद्यार्थियों एवं वर्तमान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं के साक्षात्कार अनुभवों को साझा किया। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से जुडे आईएएस डॉ. राजेंद्र पैंसिया, आईपीएस प्रेमसुख डेलू तथा आईपीएस बलराम मीणा सहित ऑडिटोरियम में उपस्थित आरएएस भवानी सिंह, आरपीएस नूर मोहम्मद, आरएएस पुष्पा सिसोदिया,आरपीएस प्रवीण सेन, आरटीओ एवं मोटिवेशनल स्पीकर नेमीचंद पारीक, तथा उपनिरीक्षक रामेश्वर लाल ने अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से जुड़े उन विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया जो सकारात्मक परिणाम के लिए अनिवार्य रूप से उत्तरदायी होते हैं।

संस्था निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने मार्गदर्शक के रूप में आमंत्रित सभी पूर्व विद्यार्थियों एवं वर्तमान अधिकारियों का अभिवादन करते हुए अभ्यर्थियों से उनका परिचय करवाया।

सुबह के मॉक इंटरव्यू सत्र में विभिन्न इंटरव्यू पैनल बोर्ड के सदस्यों के रूप में उपस्थित विशेषज्ञों नेमीचंद पारीक, रजाक हैदर, हिम्मत सिंह, कल्याण सिंह, डॉ. दिनेश राठी, नरेंद्र थानवी, भीष्म सोनी, दीपक सिंह, अंतु श्री, अमित तोमर द्वारा समसामयिक घटनाओं, मुद्दों सहित विभिन्न विषयों के अंतर्गत अभ्यर्थियों के ज्ञान को परखने के साथ ही उनके व्यवहार एवं व्यक्तित्व का परीक्षण किया गया।

वर्चुअल माध्यम से जुडे आईएएस राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी का व्यक्तित्व उस पद के अनुरूप होना चाहिए जिस पद के लिए साक्षात्कार दिया जा रहा है, क्योंकि एक साक्षात्कारकर्ता की अभ्यर्थी से यहीं अपेक्षा होती है। आरएएस श्रीमती पुष्पा सिसोदिया ने महिला अभ्यर्थियों को नारीवाद जैसी विचारधारा को सही मायने में समझने तथा आत्मविश्वास से साक्षात्कारकर्ता के सवालों के जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी कडी में आरएएस भवानी सिंह ने साक्षात्कार चरण को संपूर्ण व्यक्तित्व परीक्षण का एक माध्यम बताया और अपने व्यक्तित्व को अधिक से अधिक सकारात्मक बनाने के लिए अभ्यर्थियों को प्रेरित किया। वर्चुअल माध्यम से जुडे आईपीएस बलराम मीणा ने साक्षात्कार में बनावटी जवाबों से बचने एवं स्वयं को स्वाभाविक रखने के लिए कहा। इसके उपरांत अभ्यर्थियों को अपने अनुभव से लाभान्वित करते हुए आईपीएस प्रेमसुख डेलू ने हाल ही में घटित राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण मुद्दों में पुलिस विभाग की भूमिका के प्रति जागरूक रहने पर बल दिया। दोपहर के इस सत्र का समापन करते हुए आरपीएस प्रवीण सेन, आरपीएस नूर मोहम्मद, आरटीओ नेमीचंद पारीक तथा उप निरीक्षक रामेश्वर लाल ने साक्षात्कार से जुडे अपने व्यक्तिगत अनुभवों से अभ्यर्थियों के मनोबल को बढाया।

सायंकालीन सत्र में राजनीति विज्ञान एवं भारतीय संविधान के विख्यात विशेषज्ञ डॉ. दिनेश गहलोत ने समसामयिक राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों के बारे में विस्तार से समझाते हुए अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया। इसके तहत उन्होंने संविधान से जुडी एवं राजनीति से प्रभावित महत्त्वपूर्ण समसामयिक घटनाओं का जिक्र किया। अंतिम सत्र में विख्यात भूगोल विशेषज्ञ मधुसूदन प्रजापति ने साक्षात्कार हेतु उपयोगी राजस्थान भूगोल से संबंधित महत्त्वपूर्ण प्रश्नों से अभ्यर्थियों को अवगत करवाया। कार्यशाला के तीसरे दिन का समापन करते हुए संस्था निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

पाली में गणेश महिला मंडल सदस्यों ने राहगीरों के लिए पीने के पानी के केम्पर रखवाये। प्रवक्ता संतोष दुबे, मंडल अध्यक्ष भाग्यवन्ती गहलोत, संगीता गोस्वामी, शान्ति, नलिनी शर्मा, संतोष शर्मा, अंजू बिड़ला, भगवती शर्मा, कौशल्या शर्मा, नीलम, हंशु वैष्णव आदि मौजूद रहे। फोटो-राष्ट्रदूत

कार चट्टान से टकराई, एक जने की मौत

पिंडवाड़ा, (नि.सं.)। सिरोही जिले में पिंडवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के उदयपुर फोरलेन हाईवे मार्ग पर कांटल गांव के पास मारुति स्विफ्ट कार का आगे का टायर फट जाने से कार असंतुलित होकर पास के चट्टान से टकराकर सड़क पलटी खाने से कार में सवार एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं 6 जने गंभीर घायल हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुजरात डीसा शहर मेंचंद्रलोक सोसाइटी मेंरहने वाले दो मोदी परिवार रवि भाई पुत्र विजय भाई जाति मोदी उम्र 27 वर्ष अपनी पत्नी सैफाली व पुत्री इयांसी उम्र करीब 3 वर्ष वह अपने मित्र अर्पित भाई पुत्र नीलेश भाई उम्र 27वर्ष जाति मोदी उसकी पत्नी भाग्यश्री व पुत्रीअंशी उम्र 6 वर्ष व पुत्र पर्व सहित सात जने स्विफ्ट कार में गुजरात डीसा से उदयपुर यात्रा के लिए निकले थे। वही यात्रा पूरी करके वापस उदयपुर से हाईवे फोरलेन मार्ग से अपने घर की ओर जा रहे थे।

रविवार 5:30 बजे करीब कांटल गांव के पास पहुंचे थे कि अचानक स्विफ्ट कार का आगे का टायर फट गया और असंतुलित होकर पास के चट्टान से टकरा गई। जिसके बाद सड़क पर आकर पलटी खा गई। इस दुर्घटना के दौरान कार में से रवि और उसकी पुत्री इयांशी सड़क पर गिर गए, बाकी कार में रह गए। इस दुर्घटना में गंभीर सभी घायल हो गए। पास से गुजर रहे लोगों ने अपने वाहन को रोककर घायलों को कार से बाहर निकालने के प्रयास किए। पुलिस थाना 108 एंबुलेंस को मदद के लिए सूचना दी। पुलिस को सूचना मिलते ही मोरस चौकी इंचार्ज हेड कांस्टेबल किशन लाल मीणा मय जाब्ता घटनास्थल पर पहुंच कर लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला। इस दुर्घटना में 3 वर्षीय बच्ची की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। इसी दौरान टोल नाका की एंबुलेंस और 108 एंबुलेंस चालक सुरेंद्र सिंह देवड़ा मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय लेकर आए। जहां डॉ मनीष भार्गव ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर घायलों की स्थिति गंभीर देख कर उपचार के लिए आगे रेफर किया।

वहीं पुलिस थाना के एसआई भंवर लाल चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज कर मृतक बच्ची का शव मोर्चरी में रखवाया और घटनास्थल पहुंचकर मौके की जांच पड़ताल में जुटे हैं।

कांग्रेस सेवादल पदाधिकारी पर लोहावट में हमला

जोधपुर, (कासं)। लोहावट कस्बे के मुख्य बाजार में कांग्रेस सेवादल पदाधिकारी पर कुछ बदमाशों ने लाग्री डंडे से हमला किया और मौके से फरार हो गए। उन्हें गंभीर हालात में जोधपुर लाया गया। हालांकि लोहावट थाने में इस संबंध में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि उन्हें पहले से ही हमले की आशंका थी। अपनी सुरक्षा को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन भी सौंपा था। कार में आए बदमाशों ने कांग्रेस सेवादल पदाधिकारी बिरबलराम विश्नोई पर डंडों से हमला किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र ग्रामष्मकालीन प्रवास के लिए आबूरोड पहुंचे

आबूरोड, (नि.सं.)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ग्रामष्मकालीन प्रवास के लिये रविवार को वाराणसी अहमदाबाद ट्रेन में लगे स्पेशल बोगी से आबूरोड रेलवे स्टेशन पर पहुंचे।

जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारीयो ने पुष्प गुच्छ देकर अगुवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से राज्यपाल ने मुलाकात की। अधिकारीयो से करोना महामारी की प्रगति रिपोर्ट जानी। सडक मार्ग से आबूपर्वत पहुंचे। 30 जून तक आबूपर्वत राजभवन में प्रवास करेंगे।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र अपने एक महा के ग्रीष्मकलीन प्रवास को लेकर रविवार को ट्रेन से अपने निर्धारित समय से 3 घंटे देरी से आबूरोड रेलवे स्टेशन पहुंचे। राज्यपाल का रेलवे स्टेशन पर सिरोही विधायक संयम लोढा, जोधपुर संभागीय आयुक्त हिमांशु गुप्ता , रेंज आईजी पी रामजी सिरोही जिला कलेक्टर डाक्टर भंवरलाल, सिरोही पुलिस अधिक्षक धर्मेन्द्र सिंह,पालिकाध्यक्ष मगन दान चारण जिला प्रमुख अर्जुन राजपुरोहित प्रधान लीलाराम गरासिया ने पुष्प गुच्छ देकर अगवानी की। राज्यपाल ने उसके बाद अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात मे प्रशासनिक स्थिति की जानकारी ली। उसके बाद राज्यपाल ने पत्रकारों से रूबरू हुये। उसके बाद राज्यपाल मिश्र सड़क मार्ग से आबूपर्वत के लिये रवाना हुये।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे

राज्यपाल के आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। आबूरोड रेलवे स्टेशन से लेकर आबूपर्वत तक सड़क के दोनों तरफ पुलिस के जवान तैनात रहे।

उपखण्ड अधिकारी आबूपर्वत कनिष्क कटारिया, उपखण्ड अधिकारी आबूरोड अरविन्द शर्मा, तहसीलदार दिनेश कुमार साहू, आबूपर्वत डीप्टी योगेश शर्मा, पालिका अधिशाषी अधिकारी अनिल झिंगोनिया, पीडब्लु डी सहायक अभियंता सचिव संचेता, जलदाय विभाग सहायक अभियंता हेमंत गोयल, रूडीप सहायक अभियंता अधिकारी सहित जिले के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर डटे रहे।

राज्यपाल के आगमन को लेकर आबूरोड शहर के साथ आबूरोड रेलवे स्टेशन से लेकर आबूपर्वत राजभवन तक के मार्ग पर माकूल सुरक्षा व्यवस्था नजर आई।

रेलवे स्टेशन से पर राज्यपाल के ट्रेन से उतरने के साथ ही आबूरोड रेलवे स्टेशन से लेकर आबूपर्वत मार्ग को ब्लॉक किया गया। महामहिम के काफिले के निकलने के बाद पुनः रास्ता खोला गया।

वहीं रेलवे स्टेशन पर भी चारों तरफ सुरक्षाकर्मी मुस्तैद नजर आये। वही जिले के पुलिस के आला अधिकारी भी सुरक्षा को लेकर पैनी नजर बनाये हुये थे।

राज्यपाल कलराज मिश्र के दूसरी बार आबूरोड आगमन को लेकर शहरवासी उनके दीदार के लिये मुख्य रास्ते के दोनों ओर खड़े नजर आये। काफिला मुख्य रास्ते से गुजरा। दोनों तरफ खड़े लोगों ने उनका हाथ जोड कर अभिनन्दन किया। वही राज्यपाल ने भी अपने वाहन मे से ही सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

दो किलो 14 ग्राम एमडी स्मैक सहित आरोपी पकड़ा

पिंडवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक सिरोही धर्मेंद्र सिंह नशा तस्करों पर अंकुश लगाते हुए जिले के पुलिस को अलर्ट मोड पर रखते हुए पुलिस पिंडवाडा उप अधीक्षक जेठू सिंह करनोत के नेतृत्व में पिण्डवाड़ा थाना की पुलिस टीम ने एक स्विफ्ट कार से करीब 81 लाख कीमत की दो किलो 14 ग्राम एमडी स्मैक के साथ स्मैक तस्कर को गिरफ्तार करने की एक बड़ी सफलता हासिल की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर मार्ग से स्मैक तस्करी का मामला कई दिनों से चर्चा में चल रहा था। जिसके चलते जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने जिले के हर थाने को सतर्क करते हुए ऐसे तस्करों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। ऐसे ही कार्रवाई शनिवार शाम 4 बजे करीब पुलिस उपअधीक्षक जेठू सिंह करनोत के नेतृत्व में पुलिस थाना पिंडवाडा के एसआई भंवर लाल चौधरी, हेड कांनिस्टेबल ओम कुमार विश्नोई, कॉनिस्टेबल अभय सिंह गुर्जर, विक्रम सिंह, जीवाराम मीणा मय जाब्ता उदयपुर फोरलेन मार्ग के मालेरा सरहद पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान उदयपुर की ओर से सफेद रंग की स्विफ्ट कार आई और पुलिस जाब्ते को देखकर कार चालक अचानक कार को मोडकर वापस उदयपुर की ओर भागने लगा। पुलिस ने कार को वापस तेज गति से भागते देखकार का पीछा किया। काफी मशक्कत के बाद टोल के पास कार को रूकवाया और कार की तलाशी ली, तो चालक संतोष पूर्ण जवाब नहीं दे सका। जिसके बाद पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली।

बागा, चौपासनी, डिगाड़ी, जोधपुर, चैनपुरा एवं सांगरिया के लिए शिविर आज

जोधपुर, (कर.सं.)। आयुक्त जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर डॉ. इन्द्रजीत यादव के निर्देशानुसार प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 के अन्तर्गत प्राधिकरण में नियमित रूप से जोनवार विभिन्न खसरों हेतु शिविरों का आयोजन किया जाकर आमजन के आवेदनों का तीव्रता से निस्तारण किया जा रहा है। शिविरों में आमजन के पट्टा, नाम हस्तांतरण, भवन निर्माण अनुमति, भूखण्डों के उप-विभाजन एवं पुर्नगठन, खांचा भूमि आवंटन, लीज राशि से संबंधित प्रकरण इत्यादि हेतु आवेदन किया जा सकता है।

जेडीए द्वारा सोमवार दिनांक 23 मई, 2022 को जोन पश्चिम ग्राम बागा खसरा संख्या 787, 536, 537, 540, 548, 549 एवं ग्राम चौपासनी 211/1, 35 मय बट्टा नं. 41, 83, 117/1, 208, 126, 132, 80 व 81, 77/3, 12 व 13, 41/1, 67, 319/1, 6/1 व 11/1, 12, 102/1 व 102/2, 65, 68/1, 71 व 69, 50/1, 215, 59, 153, 187 व 189 हेतु राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगरिया में शिविर आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार दिनांक 24 मई को जोन पश्चिम ग्राम बागा एवं चौपासनी के उक्त खसरों, जोन उत्तर ग्राम डिगाडी, जोधपुर, चैनपुरा के उक्त खसरों हेतु जेडीए कार्यालय तथा जोन पूर्व ग्राम नान्दड़ी अनुमोदित योजनाए खसरा संख्या 39 व बट्टा नम्बर, 111, 28 व बट्टा नम्बर 36, 96 व 120, 46 व बट्टा नम्बर, 48 व 53 व 54 व 55, 31, 62/1, 106 व बट्टा नम्बर, 43, 44 व 45, 83 व 83/1, 21 व बट्टा नम्बर, 47 व बट्टा नम्बर, 88 व बट्टा नम्बर, 58 व बट्टा नम्बर एवं नवीन प्रस्तावित योजनाओं के खसरों हेतु ग्राम पंचायत भवन नान्दड़ी में शिविर का आयोजन रखा गया है।

इसी प्रकार बुधवार, दिनांक 25 मई को जोन पूर्व ग्राम नान्दड़ी अनुमोदित योजनाए एवं नवीन प्रस्तावित योजनाओं के उक्त खसरों तथा जोन दक्षिण ग्राम सांगरिया खसरा संख्या 2 व 3, 38, 39 व 39/1, 76 व 78, 104, 141/2, 141/4 व 152, 84, 06 व 6/5, 149 व 150/4, 65 मय बट्टा नं. 105, 82, 207, 211 व 119, 120 व बट्टे नम्बर, 124 व बट्टे नम्बर, 122, 123, 128, 129, 132, 147, 148, 309/149 से 313/149, जोन उत्तर ग्राम डिगाडी, जोधपुर, चैनपुरा खसरा संख्या 124, 125, 166/2, 215, 120, 23/4, 23/11, 23/12, 25/9, 71/1 व इसके समस्त बट्टा नम्बर, 88, 89, 191, 194 के लिए जेडीए कार्यालय तथा जोन दक्षिण ग्राम सांगरिया खसरा संख्या 2 व 3, 38, 39 व 39/1, 76 व 78, 104, 141/2, 141/4 व 152, 84, 06 व 6/5, 149 व 150/4, 65 मय बट्टा नं. 105, 82, 207, 211 व 119, 120 व बट्टे नम्बर, 124 व बट्टे नम्बर, 122, 123, 128, 129, 132, 147, 148, 309/149 से 313/149, जोन उत्तर ग्राम डिगाडी, जोधपुर, चैनपुरा खसरा संख्या 124, 125, 166/2, 215, 120, 23/4, 23/11, 23/12, 25/9, 71/1 व इसके समस्त बट्टा नम्बर, 88, 89, 191, 194 के लिए जेडीए कार्यालय तथा जोन दक्षिण ग्राम सांगरिया खसरा संख्या 2 व 3, 38, 39 व 39/1, 76 व 78, 104, 141/2, 141/4 व 152, 84, 06 व 6/5, 149 व 150/4, 65 मय बट्टा नं. 105, 82, 207, 211 व परिवार की सहायता के लिए त्वरित रूप से समस्त कागजी प्रक्रिया को पूर्ण कर मृतक बच्चों के परिवार को सहायता राशि प्रदान की

उपखण्ड अधिकारी (जोधपुर) सुरेंद्र राजपुरोहित ने बताया कि रविवार को प्रोफेसर अयूब खान, सीमान्त लोक संगठन के अध्यक्ष हिन्दू सिंह सोढा, पार्षद गणपत सिंह चौहान, तहसीलदार नारायण सुथार, गिरदावर राजेंद्र सिखवाल की उपस्थिति में मृतक बच्चों के परिवार को यह सहायता राशि दी।

श्रवण राठौड़ कलेक्टर से मिले

भीनमाल, (निसं)। जालोर जिले के भीनमाल - रामसीन में भारी पेयजल संकट के बाद भी नर्मदा का पानी लाने में हो रही देरी को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं कांग्रेस नेता श्रवण सिंह राठौड़ ने जालोर कलेक्टर निशांत जैन से मुलाकात कर जनता की नाराजगी से अवगत कराया।

राठौड़ ने कहा कि जलदाय विभाग की लापरवाही की वजह से राज्य के पिछले बजट में भीनमाल में पेयजल के लिए स्वीकृत पचास करोड़ रुपये में से अभी तक धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ है। राठौड़ ने चेताया कि समय पर पानी नहीं पहुंचा तो पानी के मुद्दे पर वो गांधीवादी तरीके सत्याग्रह आंदोलन करेंगे। राठौड़ ने कलेक्ट्रेट में करीब आधे घंटे तक जैन से नर्मदा पेयजल योजना में देरी को लेकर वार्ता की।

एक साथ आठ बालकों को रेस्टारेंट व हैंडीक्राफ्ट उद्योग से मुक्त कराया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस इन दिनों बालश्रम को लेकर काफी सजग नजर आ रही है। बालकों को श्रम करवाने वाले मालिको के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जा रहे है। रविवार को जिला पश्चिम में एक रेस्टारेंट और हैण्डीक्राफ्ट इकाई में काम करने वाले आठ बालकों को बालश्रम से मुक्त कराने के साथ उन्हें चाइल्ड हैल्प लाइन को सुपुर्द किया गया।

पुलिस उपायुक्त वंदिता राणा ने बताया कि बचपन बचाओ एक्शन मंथ की कड़ी में रविवार को एडीसीपी हरफूलसिंह क सुपरविजन में गठित टीम में मानव तस्करी यूनिट प्रभारी हुकमाराम के नेतृत्व ने टीम ने सूरसागर स्थित एक रेस्टोरेंट पर रेड देकर वहां से दो नाबालिग को बालश्रम से मुक्त कराया गया।

इसी तरह टीम ने बाद में बासनी इलाके में हैंडीक्राफ्ट इकाई फलक आर्ट पर रेड दी। यहां पर छह बालकों से कठोर श्रम करवाया जा रहा था। फैक्ट्री में बालकों से लकड़ी घिसाई के साथ पालिशिंग में लगा रखा था। इस बारे में अब सूरसागर एवं बासनी में जेजे एक्ट के तहत मालिकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

आलासन में पेयजल समस्या

सायला, (निसं)। लोगों को पेयजल सुविधा मुहैया करवाने के लिए योजनाओं के नाम पर लाखों रूपये खर्च किए जाते हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आलासन गांव के लोगो को पिछले एक साल से पेयजल समस्या का सामना करना पड रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से पेयजल व्यवस्था लडखडाई हुई है। विभाग द्वारा सप्ताह में इक्का-दुक्का बार ही जलापूर्ति की जाती है और वह भी खारे पानी की। जिसका भी समय निर्धारित नही है। विभाग द्वारा कभी देर रात्रि को जलापूर्ति की जाती है तो कभी अलसवेरे। ऐसे में निर्धारित जलापूर्ति शेड्यूल के अभाव में लोग पानी का स्टोरेज नही कर पाते है। वही पानी का प्रेशर भी कम होने से अंतिम छोर तक नही पहुंच पाता है। जिससे लोगो को पेयजल के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। ग्रामीण हपिया देवी ने बताया कि उसके पास पालतू भेड-बकरीयां व भैंस है। जिनके लिए महंगे दाम में टैंकर मंगवाकर पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

वही पेयजल समस्या को लेकर सरपंच को अवगत करवाया था लेकिन लेकिन सरपंच ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने की बात बोलकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

आलासन गांव के रावला चौहटा, जैनों का वास, पुरोहितों का वास, उगमणा वास, आतमणा वास, मेघवालो का वास, रेबारियों का वास, चामुंडा माता मंदिर रोड़ समेत अन्य मौहल्लों में पेयजल समस्या के कारण लोगो को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पेयजल समस्या के कारण लोगो के रोजमर्रा के कार्य भी प्रभावित हो रहे है तथा दिनचर्या भी बिगड़ गई है।

गांव में पिछले एक साल से पेयजल समस्या के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। वही गर्मी के मौसम मे पेयजल समस्या ओर अधिक विकट हो गई है। जिसके चलते मौहल्लेवासियों को महंगे दामों में टैंकर एवं कैन खरीदकर पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

कुछ लोगों को कैन व टैंकर के महंगे दाम के कारण दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है।

वीरमदेव संस्थान की बैठक हुई

जालोर, (कासं)। श्री वीरमदेव क्षत्रिय शैक्षणिक संस्थान के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह सामुजा की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री वीरमदेव क्षत्रिय शैक्षणिक संस्थान महासचिव रघुनाथ सिंह सराना ने बताया कि इस बैठक में संस्थान के शैक्षणिक गतिविधियों के साथ छात्राओं के लिए छात्रावास भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ करना , वर्तमान छात्रावास के संचालन , वार्षिक उत्सव , आय व्यय एवं आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में आगामी 29 मई को होने वाली आम सभा हेतु अलग अलग जिम्मेदारियों को सौंपा गया।

आम सभा में जिले भर के सभी राजपूत समाज के लोग एवं प्रवासी भाग लेंगे।

इस अवसर पर कृष्णपाल सिंह समूजा, रघुनाथ सिंह सराना, तख्त सिंह पहाडपुरा, राजवीर सिंह नोसरा , भवानी सिंह धाधिया , विक्रम सिंह रातडी, अमर सिंह महेशपुरा, चंदन सिंह साडन उपस्थित मौजूद थे।

कालीबेरी खान दुर्घटना के पीड़ित को सहायता राशि दी

जोधपुर, (कासं)। कालीबेरी खान में एकत्रित हुए पानी में नहाने के दौरान डूबने से 4 बच्चों की मृत्यु पर संतप्त परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष तथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना से सहायता राशि दी गयी।

एडीएम तृतीय हेमेंद्र नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा इस दुर्घटना पर किये ट्वीट पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता के निर्देशानुसार रविवार 22 मई को भारतीय नागरिकता प्राप्त रमेश को मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 5 लाख तथा पाक विस्थापित गोविन्द को मुख्यमंत्री से प्राप्त विशेष सहायता स्वीकृति के अनुरूप मुख्यमंत्री सहायता कोष से 2 लाख रूपए की सहायता राशि दी गयी।

उन्होंने बताया की 10 मई को जोधपुर के कालीबेरी खान में एकत्रित पानी में डूबने से बच्चों की हुई मौत की घटना के बाद मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप एवं जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता के आदेशानुसार प्रशासन ने संतप्त

कार्यालय ग्राम पंचायत कवास पंचायत समिति बाडमेर ग्रामीण

ई-निविदा सूचना 01/2022-23 दिनांक 17.05.2022

ग्राम पंचायत कवास में वित्तीय वर्ष 2022-23 में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं में ग्राम पंचायत स्तर पर कराये जाने वाले निर्माण कार्यों में सामग्री/सेवाओं की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से ई-निविदायें आंमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत जानकारी https://www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

NIB Code - ZBM2223A0227 UBN is: ZBM2223GLOB00248

ग्राम विकास अधिकारी सरपंच

ग्राम पंचायत कवास ग्राम पंचायत कवास

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवकर पंचायत समिति बाडमेर ग्रामीण

ई-निविदा सूचना 01/2022-23 दिनांक 14.05.2022

ग्राम पंचायत शिवकर के निर्माण कार्यो के लिए पंजीकृत फर्मो से ई-निविदायें आंमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी https://www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

NIB Code - ZBM2223A0229 UBN is: ZBM2223WSOB00250

ग्राम विकास अधिकारी सरपंच

ग्राम पंचायत शिवकर ग्राम पंचायत शिवकर

बीकानेर में पानी के लिए हाहाकार, दस दिन बाद मिलेगा नहर का पानी

टैंकरों के दाम हजार रुपए और कैंपर के 40 रुपए पार पहुंचे

बीकानेर, (निसं)। नहरबंदी का पानी मिलने में अभी दस दिन और लगेंगे। जलदाय विभाग ने तीन दिन के अंतराल से पानी देने की व्यवस्था लागू कर दी है। ऐसे में घर-घर में पानी को लेकर परेशानी खड़ी हो गई है। शहर में सड़कों पर हर तरफ पानी की आपूर्ति करने वाले निजी टैंकर घूमते नजर आए । वहीं जलदाय विभाग की ओर से पानी के नि:शुल्क टैंकर भी पानी की कमी वाले मोहल्लों में भेजे जा रहे हैं। हालांकि इन सबके बीच, जनता में हाहाकार की स्थिति देखने को मिली, जबकि अभी कम से कम 9 दिन बाकी हैं नहर का पानी पहुंचने में। तब तक क्या हालात होंगे, इसे सोचकर भी सिहरन पैदा हो रही है।

पानी के टैंकर को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तय किए गए रेटों का भी कोई असर नहीं हो रहा। टैंकर संचालक मनमाने रेट वसूल रहे है और पानी की जरूरत पूरी करने के लिए लोग एक हजार रुपए प्रति टैंकर तक के रेट देने को मजबूर हैं। इसी के साथ फिल्टर पानी के कैम्परों के रेट भी करीब दो गुणा हो गए है। बीस रुपए प्रति कैम्पर की दर मिलने वाला अब तीस से चालीस रुपए में मिल रहा है।

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता बलवीर सिंह ने बताया कि शनिवार को शहर में 60 टैंकरों से करीब 300 फेरे लगाकर नि:शुल्क पानी की आपूर्ति की गई। ज्यादा पानी की आवश्यकता जिस क्षेत्र से आती है, वहां टैंकर भेजा जा रहा है। अभी मौजूदा टैंकर कम पड़ने लगे हैं। ऐसे में परिवहन विभाग की मदद से कुछ निजी टैंकरों का अधिग्रहण किया गया है। इनकों पानी की आपूर्ति के लिए लगाया जाएगा। इसके बाद हालात कुछ और ठीक हो जाएंगे।

इधर जिला प्रशासन द्वारा निजी टैंकरों को अधिग्रहण व उनके खिलाफ नियमों की अनदेखी पर कार्यवाही से भी पेयजल की किल्लत में भारी बढोतरी देखी गई है। आमदिनों में सड़कों पर सरपट दौडने वाले निजी टैकर एकाएक गायब हो जाने से लोगों के सामने मंहगा पानी भी पीना दुश्वार हो गया है।

पानी की किल्लत से अनेक क्षेत्रो में निर्माण कार्य भी बंद होने के कगार पर हैं। या फिर वे चोरी छिपे रात के समय दुगनी चौगनी दरों पर पानी लेने को मजबूर है।

हैड कांस्टेबल एवं दलाल 5 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

पाटन, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर सीकर इकाई द्वारा रविवार को कार्यवाही करते हुए कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल अनिल कुमार व उसके दलाल बोदूराम को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार करने का मामला सामने आया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की सीकर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि परिवादी द्वारा दर्ज कराये गये मुकदमे तथा उसके विरूद्ध दर्ज मुकदमे में मदद करने की एवज में नीमकाथाना कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल अनिल कुमार द्वारा उसके दलाल बोदूराम के माध्यम से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी सीकर इकाई के उप अधीक्षक पुलिस जाकिर अख्तर के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर रविवार को पुलिस निरीक्षक सुरेश चंद एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये दलाल बोदूराम को परिवादी से 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

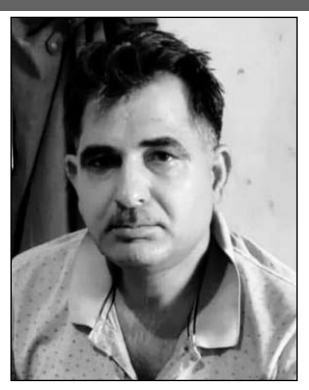

हेड कांस्टेबल अनिल यादव

दलाल बोदूराम

- एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर सीकर इकाई ने की कार्रवाई

आरोपी हैड कांस्टेबल अनिल कुमार को भी प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम. एन. के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है।

निवाई के गांवों में तेज अंधड़ से उड़े टीनशेड़, कई पेड़ हुए धराशाही

निवाई, (निसं)। शनिवार की रात करीब 9 बजे अचानक आए तेज अंधड़ से कई घरों व बाड़ों में लगे टीनशेड उड़ गए एवं सैकडों पेड़ धराशाही हो गए। ग्राम पंचायत ललवाडी के गांव अगरपुरा, संग्रामपुरा व ललवाडी में कच्चे घर और पक्के घरों की दीवारें गिर गई एवं टीनशेड व छप्पर उड़ गए। सरपंच देवालाल गुर्जर ने बताया कि गांव में आए तेज अंधड़ से नीम व बबूल सहित करीब 200 पेड़ गिर गए। कई पशुओं को भी चोटें आई हैं। रविवार को सरपंच मास्टर देवालाल गुर्जर व डीआर नरेश नायक ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी ली व घर-घर सर्वे किया। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के नुकसान हुआ उनकी सूची तैयार की गई है। क्षेत्र में नुकसान की सूचनाप्रशासन को दे दी है।

सरपंच ने बताया कि अंधड से गांव ललवाडी में किशनलाल सैन, कानाराम, भूरालाल माली, किशनसिंह सैन, बन्ने सिंह, गांव संग्रामपुरा में रामकरण बैरवा, हजारी बैरवा, बद्रीलाल बैरवा, सज्जन कंवर, हनुमान सिंह, राजा देवी, मोरेलाल, रामप्यारी देवी, शिवनारायण बैरवा, बुद्धि प्रकाश, नाथूलाल, रामजीलाल, गांव अगरपुरा में हीरा देवी, कंवरपाल रैगर, रामअवतार, छोटूलाल रैगर, गोपीचंद, रामजीलाल, रूपनारायण रैगर, मुकेश रैगर, राजेश, रतनलाल रैगर, प्रभुलाल, रेखा पिंकी रैगर, मोहनलाल, सुगना, रामविलास, शंकरलाल, दामोदर, नारायण, खेमराज, राजेश, धन्नालाल, केदार सैन व चंदालाल के अंधड से नुकसान हुआ है।

तेज अंधड़ से गिरा छप्पर व फैला मलबा।

साईकिल चलाकर जयपुर से मालपुरा पहुंचे बोर्ड सचिव केसी मीणा

मालपुरा, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर केन्द्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बतौर अतिथि के रूप में जैव विविधता बोर्ड के सचिव केसी मीणा 100 किमी. साईकिलिंग कर अविकानगर पहुंचे।

- जैव विविधत्ता दिवस पर अविकानगर में आयोजित हुआ प्रदेश स्तरीय समारोह

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण को लेकर नाटक, डांस, कटपूतली नृत्य सहित अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दे आमजन को जागरूक किया। तो संगठन के प्रदेश सचिव केसी मीणा ने टोंक जिले से पहुंचे जैव विविधत्ता समितियों के कार्यकर्ताओं से सीधा-संवाद कर पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। अविकानगर निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर, जिला उपवन संरक्षक एसके रेड्डी ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम का प्रतिवेदन रखा।

अविकानगर के विभिन्न सेक्टरो ने भेड़ बकरी व खरगोश पर किये जा रहै नवीन शोध कार्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवन स्वस्थ मस्तिष्क के लिए साईकिलिंग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

रविवार शाम बूंदाबांदी से बदला मौसम

चूरू, (कासं)। चूरू में दिनभर की गर्मी के बाद शाम को मात्र दस मिनट की बूंदाबांदी ने मौसम बदला। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को यहां का अधिकतम 43.3 व न्यूनतम 25.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यहां पर आज सुबह दिन निकलने से लेकर दस बजे तक आसमान में हल्के बादलों की आवाजाही बनी हुयी रहने से धूप का असर कुछ कम दिखाई दिया। इसके बाद शाम को चार बजे से दोबारा आसमान में बादलों की आवाजाही शुरु हो गई। इसके बाद शाम को करीब छ: बजकर दस मिनट पर अचानक तेज बूंदाबांदी शुरु हो गयी जो कि करीब दस मिनट तक चली। गत शाम आयी तेज आंधी के बाद से यहां के मौसम में बदलाव आने से तापमान में कुछ गिरावट आने से भीषण गर्मी से कुछ निजात मिल पायी है। रात के समय में भी हवा में हल्की ठंडक रहने से रात को गर्मी से कुछ राहत मिली रही।

कार चट्टान से टकराई, एक की मौत, छह घायल

पिंडवाड़ा, (नि.सं.)। पिंडवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के उदयपुर फोरलेन हाईवे मार्ग पर कांटल गांव के पास मारुति कार का आगे का टायर फट जाने से कार असंतुलित होकर पास के चट्टान से टकराकर सड़क पलटी खाने से कार में सवार एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं 6 जने गंभीर घायलहो गये।

- उदयपुर फोरलेन हाइवे पर कार का टायर फट जाने से हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुजरात डीसा शहर मेंचंद्रलोक सोसाइटी में रहने वाले दोमोदी परिवार रवि भाई पुत्र विजय भाई पत्नी सैफाली व पुत्री इयांसी व अपने मित्र अर्पित भाई पुत्र नीलेश भाई उसकी पत्नीभाग्य श्री व पुत्रीअंशी व पुत्र पर्व सहित सात जने स्विफ्ट कार में गुजरात डीसा से उदयपुर यात्रा के लिए निकले थे वही यात्रा पूरी करके वापस उदयपुर से हाईवे फोरलेन मार्ग से अपने घर की ओर जा रहे थे रविवार 5:30 बजे करीब कांटल गांव के पास पहुंचे थे कि अचानक स्विफ्ट कार का आगे का टायर फट गया और असंतुलित होकर पास के चट्टान से टकरा गई जिसके बाद सड़क पर आकर पलटी खा जाए इस दुर्घटना के दौरान कार में से रवि और उसकी पुत्री इयांशी सड़क पर गिर गए बाकी कार में रह गए इस दुर्घटना में गंभीर सभी घायल हो गए वही पास से गुजर रहे लोगों ने अपने वाहन को रोककर घायलों को कार से बाहर निकालने के प्रयास किए। पुलिस जाब्ता घटनास्थल पर पहुंच कर लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाल निकाला इस दुर्घटना में 3 वर्षीय बच्ची की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

नाबालिग को कमरे पर बुलाकर रेप किया

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के एक थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने किशोरी को फोन करके अपने कमरे पर बुलाया और फिर उसके साथ रेप किया। पीड़िता के परिजनों ने गोलुवाला थाने में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित रेप की धाराओं में मामला दर्ज कर उसे राउंडअप किया है और उससे पूछताछ में जुटी है। थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि पीड़िता के परिजनों से थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि बृजेश पुत्र राजेश ने उनकी नाबालिग बेटी को 20 मई को फोन करके कमरे पर बुलाया। जब उसकी बेटी कमरे पर गई तो आरोपी ने उसके साथ रेप किया। तबीयत बिगड़ने पर उसने अपनी मां को आप बीती बताई तो परिजन उसने इलाज के लिए श्रीगंगानगर अस्पताल ले गए। पुलिस ने पर्चा बयान लेने के बाद केस दर्ज कर आरोपी को राउंडअप कर लिया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग का परिवार यूपी से मजदूरी करने यहां आया हुआ है।

विरमगुडा से वाया देवगढ़ - नीमझर सड़क को मिली स्वीकृति

राजसमंद, (निसं)। मौजूदा वित्तीय वर्ष के राजस्थान सरकार के आम बजट में इस बार फलोदी से माण्डल मार्ग के अधूरे सड़क के सुदृढ़ीकरण व चौडाई कार्य जो की लगभग 25 किलोमीटर का क्षेत्र है। जिसमें वीरम गुढा से वाया कामलीघाट- देवगढ़ -निमझर की घोषणा हुई थी। जिसकी अनुमानित लागत 25 करोड़ रुपये है, इसके पश्चात बजट के द्वितीय फेज में मादडी-आमेट-देवगढ़ -लसानी-40 मिल चौराया जिसकी 25 किलोमीटर की लम्बाई व अनुमानित लागत 23 करोड रुपये है उसकी प्रशाशनिक व वित्तीय स्वीकृति भी मिल गई है।

विधायक सुदर्शन सिंह रावत ने बताया कि यह मार्ग जो कि मेवाड-मारवाड को जोड़ने का मुख्य मार्ग है एवं स्टेट हाइवे 61 के नाम है, पिछले कई वर्षों से अधूरा पडा था। इसके साथ ही मादडी चौराया से देवगढ़ होते हुए लसानी मार्ग से 40 मिल चौराया सडक जो प्रस्तावित थी जिसकी सुध पूर्व की सरकार ने नहीं ली। लेकिन जनप्रतिनिधी होने के नाते मेने स्वंय आमजन को इन मार्गो से गुजरने पर होने वाली

- पाली व भीलवाड़ा जिले की बॉर्डर की होगी कनेक्टिविटी

समस्याओं को देखते एवं इस मार्ग की दुर्दशा को देख लोगों की मांग पर इस कार्य को बजट सत्र में सदन के पटल पर रख इस कार्य को जल्द पूर्ण करवाने की मांग की। जिस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे जायज मानते हुए तुरन्त ही स्वीकृत किया। साथ ही हमें इस बात की खुशी है कि इसकी प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति भी हाल ही में जारी कर दी गयी है जिससे अब इस मार्ग के अधूरे पडे कार्य को पूरा होने में ज्यादा समय नही लगेगा।

इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को निश्चित तौर पर यात्रा करने में सुगमता के साथ व्यवसायिक गतिविधियों में भी इस मार्ग के कार्य पुर्ण होने पर इजाफा होगा। इस वीरम गुढा से निमझर सडक के निर्माण से पाली जिले की सरहद से राजसमन्द होते हुए भीलवाड़ा जिले को जोडा जा सकेगा। इसके साथ साथ यह घोषणा एक ऐतिहासिक पल है जब किसी मुख्यमंत्री द्वारा एक ही बजट में 1 विधानसभा क्षेत्र को 2 लम्बी सडकें बजट में दी गयी है। विधायक सुदर्शन सिंह रावत के प्रयासों से सडकों के जाल बिछाने में कोई कसर नही रखी, गोमती से ब्यावर के राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 8 के पिछले 7 साल से अधूरे पड़े फोरलेन को भी पूरा करवाने के लिए पिछले साल विधायक रावत ने अधूरे मार्ग की पदयात्रा निकाली। जिसके फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने इसकों स्वीकृत करते हुए कार्य भी शुरू कर दिया गया। हाल ही में डीएमएफटी द्वारा भी क्षेत्र में तकरीबन 100 से अधिक सड़कों को बनाने के प्रस्ताव ले उनकी स्वीकृतियां जारी हुई है और जो पेचेबल या रिपेयरेबल सडके है उनको भी पूरा किया जाना है।

इस मामले में विधायक सुदर्शनसिंह रावत का कहना है कि पिछले सात दशकों में जो सड़क मार्ग को लेकर कार्य नही हो पाए वह सभी कार्य मौजूदा कार्यकाल में हो रहे है। इस क्षेत्र के लिए यह अपनेआप में एक स्वर्णिम दौर है। क्षेत्र की जनता को इस आवागमन की समस्या से जल्द निजात मिल पाएगी।

हरिद्वार इंटरसिटी कल से भुच्चो में रुकेगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंजाब के भुचो स्टेशन पर गाड़ियों के ठहराव की मांग के चलते रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए श्रीगंगानगर-हरिद्वार इण्टरसिटी और अम्बाला-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस को छह माह की अवधि के लिए प्रायोगिक आधार पर ठहराव देने का निर्णय लिया है।

- अंबाला-श्रीगंगानगर को भी मिला ठहराव

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताता कि गाड़ी संख्या 14711 हरिद्वार-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस भूचू स्टेशन पर 24 मई से 09.24 बजे पहुंचेगी, जबकि 14712 श्रीगंगानगर-हरिद्वार एक्सप्रेस 24 मई से दोनों दिशाओं में एक मिनट के ठहराव के लिए 06.48 बजे वहां पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14736 अम्बाला-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 24 मई से सुबह 10.21 बजे भुचो स्टेशन पर एक मिनट के ठहराव के लिए पहुंचेगी।

बहरोड़ में पार्षद का परिवार कर रहा विद्युत चोरी

महिला पार्षद का मकान जहां लाइन से डायरेक्ट कनेक्शन ले रखा है।

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। बहरोड़ विधायक बलजीत यादव द्वारा चलाए जा रहे अभियान जिसमें भ्रष्टाचार पकड़ने पर 51 हजार रुपए के दो इनाम दिए जा चुके हैं।

इस अभियान के खिलाफ एक मामला सामने आया है जिसमें पार्षद परिवार द्वारा इस मुहिम के विपरीत विद्युत चोरी कहें या भ्रष्टाचार की घटना सामने आई है। जिसमें एक महिला पार्षद का परिवार विद्युत निगम के लाइन से डायरेक्ट कनेक्शन तार जोड़कर लंबे समय से विद्युत चोरी कर रहा है।

विद्युत वितरण निगम जयपुर, राजस्थान को 20 मई 2022 को सुबह 5:30 बजे की घटना के बारे में मय सबूत फोटो व वीडियो से अवगत कराने के बाद शिकायत दर्ज नम्बर जारी किया जा चुका है। यह बिजली चोरी का लगा हुआ तार बहरोड के गर्ल्स स्कूल के पास प्रधान प्लाजा के सामने कविता सैनी नगर पालिका पार्षद वार्ड नंबर 7 के मकान पर है। जिसकी सूचना विधायक बलजीत यादव द्वारा चलाए जा रहे भ्रष्टाचार सूचना व्हाट्सएप नंबर भी कल भेजी जा चुकी है।

मात्र 17 मिनट में बने जीवन के हम सफर

निवाई गंगा गार्डन में आयोजित शादी में मौजूद दुल्हा-दुल्हन।

निवाई, (निसं)। स्थानीय गंगा गार्डन में रविवार को एक शादी बिना दहेज के केवल 17 मिनट में सम्पन्न हो गई। दूनी के एक युवक ने अनोखी शादी रचाई है। संत रामपाल महाराज के अनुयायी हितेश पुत्र महावीर निवासी दूनी ने कृष्णा पुत्री श्यामलाल नायक निवासी अलीगढ़ से अनोखी शादी की है।

शादी में किसी भी प्रकार का दिखावा नहीं किया गया और ना ही किसी भी प्रकार का दहेज लिया गया है। यह शादी मात्र 17 मिनट में रमैनी पद्धति से सम्पन्न हुई। संत रामपाल महाराज के अनुयायी हितेश नायक ने बताया कि संत

- दोनों के परिजन व संत के अनुयायी रहे मौजूद

रामपाल से प्रेरित होकर उन्होंने यह शादी की है। उन्होंने बताया कि संत रामपाल महाराज का न्यू मिशन है कि भारत देश को दहेज मुक्त बनाना है। इसी को ध्यान में रखकर दोनों परिवारों की रजामंदी से बिना किसी दहेज और दिखावे के शादी सम्पन्न की गई है। इस अवसर पर बिना बारात के दोनों परिवारों के परिजन व संत रामपाल के अनुयार्यी उपस्थित थे। इस शादी की चारों और चर्चा है।

नागौर जिले के बोरावड से भक्त दण्डवत करते पहुंचा रींगस भैंरोजी धाम

रींगस, (निसं)। नागौर जिले के मकराना से सटे बोरावड से एक भक्त अपने साथियों के साथ दण्डवत करते हुए शनिवार रात को भैरोजी धाम पहुंचे। बोरावड से रींगस की दूरी लगभग 140 किमी मीटर है जिसे दण्डवत करने में करीब दो माह का समय लगा । आज मंगला आरती में भैरोजी महाराज की पूजा अर्चना कर घर को रवाना हो गये।

- लगभग 140 किमी दूरी दो माह में दण्डवत कर पूरी की

भैरोजी के अटूट भक्त दुर्गा प्रसाद मेघवाल पुत्र ओमप्रकाश मेघवाल ने बताया कि वे बचपन से ही भैरोजी महाराज की भक्ति करते हैं। उनके मन में आया की सबसे बडे धाम रींगस में दण्डवत करते हुए पहुंचे। यह बात उसने अपने नौ अन्य साथियों को बताई। इसके बाद वे दो दरी लेकर दण्डवत करते हुए बोरावड से 23 मार्च को रवाना हो गये। दुर्गा प्रसाद मेघवाल अपने साथियो के साथ करीब आठ बजे शनिवार को रींगस पहुचे।

अलवर पुलिस ने 10 करोड़ का आईपीएल सट्टा पकड़ा

लग्जरी कारों में चलने वाले 4 सटोरिए दिल्ली से, एक अलवर से गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। आईपीएल के सीजन में करोड़ों रुपए सट्टे से कमाने वाले 5 बड़े सटोरियों को अलवर पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसमें 4 सटोरियों को दिल्ली से पकड़ा है। एक बिचौलिया अलवर के एनईबी का निवासी हैं। जिनके पास 3 लाख 10 हजार रुपए नकद , 30 मोबाइल व 3 लग्जरी कारें मिली हैं। बाकी लैपटॉप, चार्जर,राउटर सहित अन्य सामान जब्त किया है। खास बात ये है कि 5 में से 4 सटोरिए अलवर के हैं। जो दिल्ली में सट्टा चलाने के लिए वहां किराए पर रहते थे।

डीएसपी आदित्य पूनिया ने बताया कि परिवादी ने 21 मई को रिपोर्ट दी थी कि अलवर का हितेश नाम का व्यक्ति आईपीएल में सट्टा लगवाता है। उसने मुझसे 10 हजार रुपए लिए। दो मोबाइल नंबर 7701816973 व 6376612510 दिए। यह कहा था कि शाम के समय दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल कर सट्टे लगा लेना। लेकिन, शाम को कॉल किया तो इन नंबर पर बात नहीं हो सकी। इसके बाद परिवादी ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने पहले अलवर के एनईबी निवासी हितेश अग्रवाल को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस दिल्ली के द्वारका तक पहुंच गई। इसके बाद पुलिस ने द्वारका से चार बडे सटोरियों को गिरफ्तार किया। जो दिल्ली में बैठकर सट्टा लगवाते हैं। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार ये सटोरिए एक सीजन में करीब 5 करोड़ रुपए सट्टे से कमाई करते हैं। इन पांच में एक दिल्ली का रहने वाला है। बाकी चार अलवर के हैं जो दिल्ली में रहकर सट्टा लगाते थे।

अलवर पुलिस ने डीएसपी पूनियां के निर्देशन में कार्रवाई कर आरोपियों को पकड़ा।

- 5 में से 4 सटोरिए अलवर के हैं जो दिल्ली में किराए पर रहते थे
- सटोरिए एक सीजन में करीब 5 करोड़ रुपए सट्टे से कमाई करते हैं
- पुलिस को 12 रजिस्टर मिले हैं उनमें करीब 10 करोड़ रुपए का हिसाब है

पुलिस को इन आरोपियों से 12 रजिस्टर मिले हैं। उनमें करीब 10 करोड रुपए का हिसाब मिला है। यह हिसाब आईपीएल के क्रिकेट मैच पर लगने वाले सट्टे का हिसाब है। इसके अलावा 3 लग्जरी कार मिली हैं।

देवेश भारद्वाज पुत्र रामचरण भारद्वाज निवासी मकान नंबर 43 भारत टाकीज के पीछे हाल फ्लैट नंबर 76 सेक्टर 10 द्वारका नई दिल्ली, चक्षु गर्ग पुत्र प्रदीप कुमार गर्ग मकान नंबर 49, रामनगर कॉलोनी 200 फीट रोड अलवर हाल फ्लैट नंबर 302 बजगेडा द्वारका दिल्ली, विक्रांत खंडेलवाल पुत्र जितेंद्र मोहन गुप्ता निवासी हाकीमजी की गली अलवर हाल मकान नंबर सी 28 राधेपुरी जगतपुरी दिल्ली, रोहित यादव पुत्र संजीव यादव निवासी मकान नंबर 180 वजीरपुर अशोक विहार दिल्ली हाल फ्लैट नंबर 303 न्यू पालम विहार सेक्टर 25, हितेश अग्रवाल पुत्र अशोक अग्रवाल एनईबी हाउसिंग बोर्ड को गिरफ्तार किया है।

अधिक निष्कर्षण और उत्पादन ने वातावरण में असंतुलन पैदा किया है : मरीना तबस्सुम

जयपुर, (का.सं.)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स-राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित राजस्थान आर्किटेक्चर फेस्टिवल के तीसरे दिन की शुरूआत हेरिटेज वॉक से की गई। जिसमें 250 से अधिक डेलीगेट्स और मेहमानों ने चरण मंदिर से वॉटर चैनल और बावड़ी से नाहरगढ़ फोर्ट तक वॉक की। फेस्टिवल के तीसरे दिन 'हेरिटेज अंडर थ्रेट' विषय पर देश के जाने-माने आर्किटेक्ट्स ने अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें हेरिटेज सिनर्जी इंडिया की कमालिका बोस, आर्किटेक्चरल हेरिटेज एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन, के.टी. रवींद्रन; एआरसीएशिया के प्रेसीडेंट, डॉ अबू सईद एम अहमद; आर्किटेक्ट-अर्बेनिस्ट-कंजर्वेशनिस्ट, कुलभूषण जैन और रविंद्र गुंडू राव एंड एसोसिएट्स के रविंद्र गुंडू राव जैसे आर्किटेक्ट्स एक्सपर्ट्स शामिल हुए।

की-नोट सेशन में बांग्लादेश की मरीना तबस्सुम ने अपने सैशन को संबोधित करते हुये प्राकृर्तिक इम्बैलेंस पर जोर दिया। उन्होंने दो वास्तविकताएं बताई, एक है बढ़ता तापमान और जलवायु संबंधी मुद्दे। उनके अनुसार जलवायु में परिवर्तन और तापमान में बढ़त जैसे कई मुद्दे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और महामारी जिनका हम पिछले दो वर्षों से सामना कर रहे है। उन्होंने बताया की कई मायनों में अधिक निष्कर्षण और अधिक उत्पादन की हमारी संस्कृति ने अत्याधिक असंतुलन पैदा किया है और मुझे लगता है कि एक वास्तुकार के रूप में हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इसे ध्यान में रखें और फिर उसी के अनुसार काम करें।

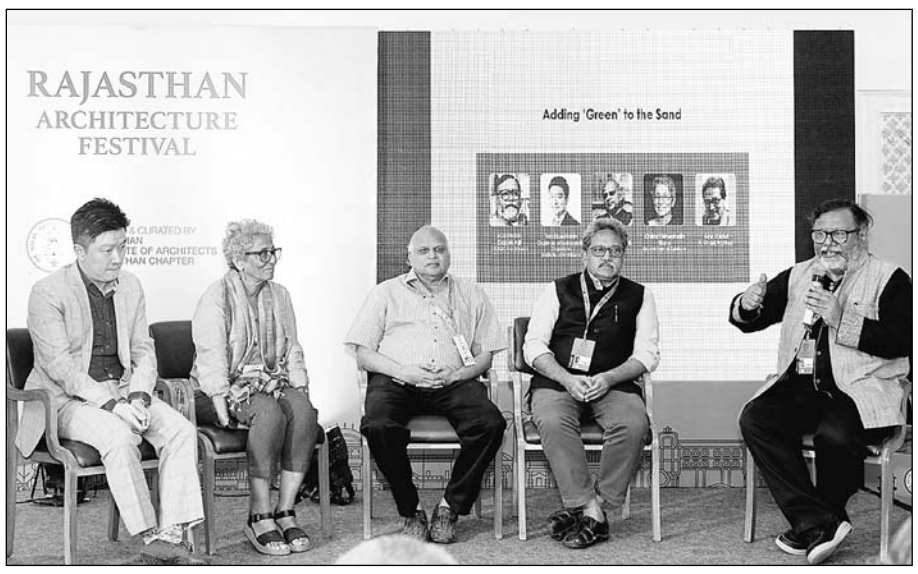

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स-राजस्थान चैप्टर की ओर से आयोजित राजस्थान आर्किटेक्चर फेस्टिवल में रविवार को ''हेरिटेज अंडर थ्रेट'' विषय पर देश के जाने-माने आर्किटेक्ट्स ने अपने विचार व्यक्त किए।

आर्किटेक्ट, अर्बनिस्ट और कंजर्वेशनिस्ट, कुलभूषण जैन ने जयपुर और अहमदाबाद के वॉलसिटी क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए अपने संबोधन में कहा कि, इन क्षेत्रों के संरक्षण के लिए सरकार को प्रयास करने चाहिए। जगह-जगह बेतरतीब निर्माण और पुरानी इमारतों पर साइन बोर्ड देखे जा सकते है। जयपुर के वॉलसिटी को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी घोषित होने के बावजूद इसके संरक्षण को लेकर बहुत उदासीनता है, सरकार को चाहिए कि ऐसे हेरिटेज क्षेत्रों को चिन्हित करके उनके रख-रखाव पर काम करना चाहिए। इसमें आम लोगों का सहयोग भी बहुत जरूरी है। क्योंकि लोग जागरूक होंगे तभी वो अपनी विश्व विरासत की देखरेख कर पाएंगे।

हेरिटेज सिनर्जी इंडिया की कमालिका बोस ने कहा कि, हेरिटेज इमारतों का संरक्षण बहुत जरूरी है, कमालिका बोस ने ताजमहल, मुंबई और जयपुर की हेरिटेज इमारतों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन्हें बचाए रखने के लिए इनका संरक्षण बहुत जरूरी है, जिसके लिए आसपास बढ़ते रिहायशी क्षेत्र और तेज़ी से होते निर्माण के लिए एक पॉलिसी बनाना जरूरी है ताकि हमारी धरोहर संरक्षित रह सके।

आर्किटेक्चरल हेरिटेज एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन, के.टी. रवींद्रन ने दिल्ली और लक्षद्वीप की जर्जर होती हेरिटेज इमारतों का उदाहरण देते हुए कहा कि, हेरिटेज के दुर्गम क्षेत्रों में होते निर्माण के चलते एक अलग ही कॉरिडोर बनता जा रहा है, ऐसे में सरकार को जनता और हेरिटेज इमारतों के बीच विच्छेद को खत्म करने के प्रयास करते हुए इन्हें संरक्षित करने का काम करना चाहिए।

- देश की धरोहरों के संरक्षण के लिए सरकार को प्रयास करने चाहिएः कुलभूषण जैन
- 'राजस्थान आर्किटेक्चर फेस्टिवल' का समापन

टेक्निकल सेशन 'एडिंग ग्रिन टू द सैंड' विषय में अनु मृदुल ने जोधपुर शहर में विभिन्न जल निकायों के विकास पर चर्चा की। जिनमें कृत्रिम व मानव निर्मित दोनों की ही महत्ता को शहर की उन्नति के लिए बराबर बताया। उन्होंने जोधपुर में विभिन्न जल निकायों की बहाली पर आधारित अपनी केस स्टडीज के ज़रिए बताया की जल निकाय की पुरानी प्रणाली को इस्तेमाल कर उन्होंने आधुनिक समाज को फायदा कैसे पहुँचाया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सांस्कृतिक दृष्टिकोण से जल निकायों को संरक्षित करने में मदद मिलती है और जल निकायों को बचाये रखने में प्राचीन संस्कृति की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

फेस्टिवल के दौरान 'माई हेरिटेज-माई प्राइड' आर्किटेक्चर एक्जीबिशन लगाई गई थी।

अनुभवों को साझा करने से मिलती है नई दिशा : डॉ. सुबोध अग्रवाल

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस व आईआईटी दिल्ली एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुबोध अग्रवाल ने रविवार को राजपूताना शेरेटान में आयोजित गेट-टुगेदर कार्यक्रम में भाग लिया।

जयपुर, (का.सं.)। समय समय पर मेल-मिलाप से अनुभवों को साझा करने का अवसर मिलता है तो प्रदेश के विकास में भी भागीदारी तय होती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस व आईआईटी दिल्ली एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुबोध अग्रवाल ने यह विचार राजपूताना शेरेटान में आयोजित गेट टू गेदर कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आईआइटी दिल्ली के पास आउट आज प्रदेश में उच्च पदों पर कार्य करते हुए नवाचारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं वहीं प्रदेश में उद्योग धंधों, स्टार्टअप्स आदि के माध्यम से विकास की गंगा बहा रहे हैं। स्वरोजगार के साथ ही रोजगार के अवसर विकसित कर आर्थिक विकास में सहभागी बन रहे हैं।

डॉ. अग्रवाल ने आईआईटी दिल्ली की तरह ही अन्य एलुमिनी एसोसिएशनों को गतिशील और सक्रिय बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास में भागीदार बनने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट रजनीश भंडारी, सेकेट्री शुभम जैन और ट्रेजरी आकाश मित्तल ने बताया कि प्रदेश में करीब 400 वे देश दुनिया में 5 हजार से अधिक आईआईटी एलुमिनी निजी व सरकारी क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्य करते हुए सेवाएं दे रहे हैं।

गेट टू गेदर में राजस्थान सरकार में स्टेम सेल हेड डा. यावेर हुसैन, मेटाक्यूब के संस्थापक पारिजात अग्रवाल, सहज डेरी के संस्थापक पिज्ञान गदेडिया सहित करीब 70 प्रतिभागियों ने परिवार सहित हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संयोजन सेकेट्री शुभम जैन ने किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार दोपहर को ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए माउंट आबू रवाना हुए। राज्यपाल रविवार दोपहर दो बजे जयपुर जंक्शन से वाराणसी-अहमदाबाद एक्सप्रेस द्वारा आबू रोड जंक्शन रवाना हुए। जयपुर रेलवे मण्डल के एडीआरएम मनोज गर्ग सहित रेलवे के अधिकारियों ने जयपुर जंक्शन पर उनका स्वागत किया।

जोधपुर में हुआ रेप सरकार के माथे पर कलंक : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि दुर्भाग्य है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में युवती के साथ पहले मंडोर थाने के क्वार्टर में एएसआई के रिश्तेदार ने हैवानियत की और फिर टैक्सी चालक ने दरिंदगी की।

राठौड़ ने कहा कि जोधपुर में युवती के साथ हुई रेप की यह वीभत्स घटना सरकार के माथे पर कलंक है और गहलोत शासन के जंगलराज की तस्वीर दिखा रही है। बीते 6 माह में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी है।

हमारे पास अधिकतर मरीज कैंसर की लास्ट स्टेज में आते हैं : डॉ. संदीप जैन

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है एब्डोमिनल कैंसर, इसी लिए 2019 में महसूस हुआ कि 1 दिन होना चाहिए इस कैंसर से जुड़े कारण और बचाव पर जागरूकता फैलाने के लिए। तभी प्रतिवर्ष 19 मई को पूरे विश्व में 'एब्डॉमिनल कैंसर डे' मनाया जाता है।

आज इसी श्रृंखला में एबीसीडी कंसल्टेशन कैंप जेएलएन मार्ग स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। निदेशक, आईआईईएमआर, मुकेश मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में डॉ संदीप जैन ने करीब 100 मरीजों को कंसल्टेशन देते हुए बताया कि हमारे पास ज्यादातर मरीज कैंसर की लेटे स्टेज में आते हैं। एब्डॉमिनल कैंसर का सही इलाज करने के लिए सिर्फ अर्ली स्टेज में डायग्नोसिस होना जरुरी है जिससे मरीज की उम्र बढ़ सके। लेट स्टेज में डायग्नोसिस का मतलब जान को खतरा, लंबा इलाज, ऑपरेशन के साथ कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी, महंगा इलाज, इलाज संबंधी कॉम्प्लीकेशन्स, वापस होने व फैलने के रिस्क। एब्डोमिन कैंसर सात प्रकार के होते हैं, ऑसोफेगल कैंसर (खाने की नाली), कोलन और रेक्टल कैंसर, अपेंडिक्स कैंसर, गैस्ट्रिक कैंसर, गॉलब्लेडर कैंसर, पैंक्रिअटिक कैंसर और लीवर कैंसर। आज 90 से 95 फीसदी कैंसर पर्यावरण और जीवन शैली कारणों से होते हैं और केवल 5-10 हेरिडिटरी या जेनेटिक्स के कारण। अगर हम अपने जीवन शैली में कुछ सुधार कर लें तो काफ़ी हद तक बचाव हो सकता है। संतुलित शाकाहारी भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, वजन का सामान्य होना, शराब और धूम्रपान से बचना, समय पर स्क्रीनिंग टैस्ट और शुरुवाती लक्षणों को नजरंदाज ना करना।

- एब्डोमिनल कैंसर से जुड़े कारण और बचाव पर जागरूकता के लिए हुआ एबीसीडी कंसल्टेशन कैंप

आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व का उद्घाटन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर मुख्यमंत्री निवास से आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व का उद्घाटन और लोकार्पण किया।

गहलोत ने कहा कि आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व पर्यटन स्थल की सौगात प्रदेशवासियों को समर्पित की। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की मानव जीवन में अहम भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण हम सभी की अहम जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। राजस्थान अपनी भौगोलिक विषमताओं के बावजूद वन संरक्षण करने में सफल रहा है।

मंजू मेहता ने सितार पर सुनाया राग 'जोग कौंस'

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केन्द्र में रविवार को सितार वादन का कार्यक्रम 'सितार स्वर गंगा'' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर में जन्मीं और पिछले पचास साल से अहमदाबाद में रहकर संगीत साधना में लगीं विदूषी मंजू नंदन मेहता ने अपनी दिलकश प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। यह कार्यक्रम जवाहर कला केन्द्र, राजस्थान फोरम और इंटरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में ध्रुवपद गायिका डॉ. मधु भट्ट तैलंग के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम किया गया।

मंजू मेहता ने इस मौके पर राग जोग कौंस के स्वरों से परिवेश में भक्ति और श्रंगार का रस घोल दिया। राग जोग कौंस अपेक्षाकृत नया राग जिसकी रचना पंडित जगन्नाथ बुआ पुरोहित 'गुणीदास' ने की है। यह राग 'जोग' और राग 'चंद्रकौंस' के मिश्रण से बना है। पूर्वांग में राग जोग होने से इसके स्वर भक्ति का अहसास करवाते हैं।

अब राजस्थान सरकार भी कम करे पेट्रोल-डीजल पर वेट : रामलाल शर्मा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि भारत सरकार हमेशा जनहित में निर्णय लेते हुए जन भावनाओं के अनुरूप शासन का संचालन करने का काम कर रही है। राजस्थान के अंदर कांग्रेस की सरकार है और कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय और राष्ट्रीय नेता हमेशा मोदी सरकार पर निशाना इस बात का साधते आये हैं कि पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की वजह से ही महंगाई बढ़ रही है। मोदी ने समय-समय पर टैक्स के अंदर कमी करके जनता को राहत प्रदान करने का काम किया है और अब भी मोदी सरकार ने अपने टैक्सों में कमी करके डीजल-पेट्रोल और गैस के दामों में कमी करके देशवासियों को राहत प्रदान करने का काम किया है और कांग्रेस के नेताओं के पास भाषण देने की बातें अलग और मुद्दे अलग और यथार्थ में उनके हक में जो चीजें हैं वह करने के लिए अलग है। मोदी ने टैक्स में कमी करने के बाद देश की राज्य सरकारों से भी आग्रह किया है कि वह भी वेट के अंदर कमी करें ताकि जनता को राहत मिल सके। लेकिन अभी तक भी राजस्थान की सरकार ने ना तो कोई व्यक्तव्य जारी किया है और ना ही इस मुद्दे पर कोई बात कही है।

'इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार योजना' के क्रियान्वयन के लिए नवीन दिशा-निर्देशों को मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार योजना' के क्रियान्वयन के लिए नवीन दिशा-निर्देशों को स्वीकृति दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) की तर्ज पर शहरी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है।

गहलोत ने वर्ष 2022-23 के बजट में यह घोषणा की थी कि शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिन का रोजगार 'इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार योजना' के अन्तर्गत उपलब्ध करवाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना पर राज्य सरकार प्रतिवर्ष 800 करोड़ रूपए व्यय करेगी।

नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित योजना में स्थानीय निकाय क्षेत्र में निवास कर रहे 18 वर्ष से 60 वर्ष की आयु के सदस्य का जन आधार कार्ड के आधार पर पंजीयन किया जाएगा। योजना में अनुमत कार्य करवाने हेतु राज्य/जिला/निकाय स्तर पर कमेटियों के माध्यम से कार्य स्वीकृत एवं निष्पादित करवाया जाएगा। सामान्य प्रकृति के कार्य स्वीकृत एवं निष्पादित कराने की सामग्री लागत व पारिश्रमिक लागत का अनुपात 25:75 तथा विशेष प्रकृति के कार्यों हेतु सामग्री लागत तथा पारिश्रमिक भुगतान का अनुपात 75:25 होगा। कार्यों का भुगतान मनरेगा के अनुरूप श्रमिकों के बैंक खाते में 15 दिवस में किया जाएगा।

पैरा खेल अकादमी के लिए 14 करोड़ की राशि मंजूर

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए पैरा खेल अकादमी के निर्माण हेतु 14 करोड़ रूपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। अकादमी में पैरा खिलाड़ियों को उच्च तकनीकी प्रशिक्षण, ट्रेनिंग उपकरण व अभ्यास हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पुष्पेंद्र शर्मा पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर। अजमेर रोड स्थित पेट्रोल पंप वाले बालाजी सेवा समिति के हुए चुनावों में समिति ने सर्व सम्मति से निर्णय लेते हुए पुष्पेंद्र शर्मा को पुनः 2022-2024 तक के लिए निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया है। निर्वाचन के लिए हुई बैठक में पवन सोनी, दिलीप डाबी, दीपक सैनी, मनोज शर्मा, मोहित शर्मा, दीपक बागडा, हितेष शर्मा, विष्णु प्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

कर्नल राज्यवर्धन की 'अमृत जन यात्रा' बाईक रैली में उमड़ा जन सैलाब

जयपुर, (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की अगुवाई में आज झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 'अमृत जन यात्रा' बाईक रैली निकाली गई। इस दौरान पूर्व विधायक एवं केबिनेट मंत्री राजपाल सिंह शेखावत भी उनके साथ रहे। हिंगोनिया से प्रारम्भ हुई बाईक रैली लोहरवाड़ा, मुरलीपुरा, भोजपुरा कलां, बबेरवालों की ढ़ाणी, जोबनेर होते हुए ढाणी नागान पहुंची। बडी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन बाईक रैली में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बाईक रैली का जोरदार स्वागत किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन्दाबाद और कर्नल राज्यवर्धन जिन्दाबाद के नारे लगाए। बाईक रैली के दौरान कर्नल राज्यवर्धन ने सांसद कोष से निर्मित शहीद हुक्माराम जाट पार्क का उद्घाटन भी किया। बाईक रैली को सम्बोधित करते हुए कर्नल राज्यवर्धन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पैट्रोल डीजल के दाम घटाने और गैस सिलेण्डर पर सब्सिड़ी देकर जनता को राहत पहुंचाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा गहलोत सरकार को भी पैट्रोल डीजल पर वेट कम कर प्रदेश की जनता को राहत पहुंचानी चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की अगुवाई में रविवार को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 'अमृत जन यात्रा' बाईक रैली निकाली गई।

- पैट्रोल-डीजल के दाम घटाने एवं गैस सिलेण्डर पर सब्सिडी देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया
- 'पैट्रोल डीजल पर वेट कम कर जनता को राहत दे गहलोत सरकार'

कर्नल राज्यवर्धन ने कहा मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने हमेशा देश हित और जनहित में ही कार्य किए है। प्रधानमंत्री मोदी के रूप में देश को शानदार नेतृत्व मिला है। आज देश का हर गांव मजबूत हो रहा है केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। जहां पीने का पानी नहीं पहुंचता था वहां पानी पहुंच रहा है जिनके पास घर नहीं था उनके घर बन रहें है। विश्व में भारत का मान लगातार बढ़ रहा है। करोना काल में भारत द्वारा किए गये कार्यों की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है।

कर्नल राज्यवर्धन ने प्रदेश की गहलोत सरकार को आडे हाथ लेते हुए कहा जनविरोधी और तुष्टिकरण की नीति के कारण जनता का सरकार पर से विश्वास उठ चुका है। विकास की दृष्टि में राजस्थान देश में काफी पीछे रह गया है। जनता ने जिस कांग्रेस पार्टी पर भरोसा करते हुए साढ़े तीन साल पूर्व सत्ता सौंपी थी वह पार्टी जनता को सुरक्षा और सुविधा देने में पूरी तरह से विफल हुई है। किसान महिला और युवाओं के खिलाफ राज्य सरकार ने काम किया है। राजस्थान शांतिप्रिय प्रदेश के रूप में जाना जाता था लेकिन पिछले साढे तीन सालों में दलित और महिला अत्याचारों में राजस्थान देश में नम्बर वन पर पहुंच गया है और कल्याणकारी योजनाएं खासकर पीने का पानी जनता तक पहुंचाने में आखिरी नम्बर पर पहुंच गया है।

निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर लगाया

जयपुर, (का.सं.)। प्राकृतिक चिकित्सा एवम सुजोक थैरेपी अपनाने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए हेल्थ एजुकेशन एवं लव फ़ॉर पीपल सोसायटी,व संग अर्श सामाजिक सेवा समिति द्वारा समाज नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श कैम्प लगाया गया।

डॉ. दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल ने बताया कि करोना महामारी के वक़्त प्राकृतिक चिकित्सा बहुत ही कारगर रही। बढ़ते प्रदूषण के कारण बार बार ऐसी स्तिथि ना आये इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं, प्रकर्ति के करीब आएं,। डॉ दीपाली ने साथ ही लोगों को सुजोक थेरेपी भी दी,काफी ज्यादा संख्या में लोगों ने कैम्प में आकर लाभ प्राप्त किया। हेल्प्स के अध्यक्ष प्रशांत चतुर्वेदी व,संग अर्श के अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया कि उन्होंने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है।

इसके तहत वो पूरे जयपुर मे हर वार्ड में ऐसी कैम्प लगाएंगे और लोगों को प्राकतिक चिकित्सा अपनाने के लिए जागरूक करेंगे। इस मिशन में इनकी पूरी टीम प्रशांत गुप्ता,नेहा, निशिकांत गुप्ता,रेणु श्रीवास्तव,आयुष शर्मा, आशीष सोनी, दिव्यम अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल , डॉ. कुलदीप ,पंकज सैनी, सहयोग कर रहे हैं।

अमृत महोत्सव पर क्रीड़ा भारती द्वारा राष्ट्र वंदना यात्रा

जयपुर। क्रीड़ा भारती द्वारा स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में रविवार को अखिल भारतीय स्तर पर मोटरसाइकिल से ''प्रदक्षिणा से राष्ट्रवंदना'' यात्रा द्वारा माँ भारती की अर्चना की।

जयपुर प्रान्त में प्रदक्षिणा यात्रा सीकर से रेवाड़ी वाया जयपुर के बीच छह स्थानों सीकर, रींगस, चौमू, जयपुर, शाहपुरा, कोटपूतली से प्रात: 8:56 बजे एक साथ रवाना होकर लगभग 310 किमी की दूरी तय कर राष्ट्रवंदना की गयी। उद्घाटन कार्यक्रम में भारत माता पूजन एवं राष्ट्रगान के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष चैतन्य कुमार कश्यप, राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी का सन्देश सुनाया गया। जयपुर से गोपाल सैनी के साथ अर्जुन अवार्डी दीनाराम ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। सीकर से संत मनोज दास महाराज, क्रीड़ा भारती सीकर विभाग संयोजक करण सिंह शेखावत, सीकर जिला अध्यक्ष पोखरमल एडवोकेट, रींगस से पूर्व मंत्री बंशीधर बाजिया तथा क्रीड़ा भारती प्रान्त मंत्री कैलाश शर्मा, चौमू से विधायक रामलाल शर्मा शाहपुरा से पूर्व विधायक फूल चंद भिण्डा एवं संत हरिओम दस महाराज परमानन्द धाम खोहरी, राकेश शर्मा पूर्व कब्बडी स्टेट चैम्पियन, कोटपूतली से महेश , अरुण सैनी, ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।यात्रा में क्रीड़ा भारती कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त विभिन्न खेल केंद्र, खेल अकादमियों के प्रतिनिधि, एवं खिलाडियों सहित युवा वर्ग शामिल रहा।

परशुराम कुंड तक रेल सेवा शुरू होगी

जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से परशुराम कुंड तक रेल सेवा विस्तार की घोषणा का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया है।

शाह ने ये घोषणा पूर्वोत्तर राज्यो के दौरे के दूसरे दिन नामसाई में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए की।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने केंद्रीय गृहमंत्री का आभार प्रकट करते हुए बताया कि परशुराम कुंड तक रेल सेवा विस्तार से न केवल यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि पर्यटन क्षेत्र का भी विकास होगा।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया, पौधों का महत्व बताया

जालोर, (कासं)। उप वन संरक्षक जालोर निर्देशानुसार रविवार को जालोर में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया।

जिसमें पर्यावरण प्रेमी व टैक्सी यूनियन के जिलाध्यक्ष अम्बालाल माली, शारीरिक शिक्षक जय नारायण परिहार व क्षेत्रीय वन अधिकारी पूराराम मेघवाल अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर पर्यावरणप्रेमी माली ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हम हर साल मनाते है, लेकिन फिर भी हमारे देश में विडम्बना है कि पौधे लगाते कम है, लेकिन कटाई ज्यादा होती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की ज्यादा से ज्यादा अपने जन्म दिन, शादी सालगिराह या ढूंढोत्सव उत्सव आदि आयोजन पर एक पौधा जरूर लगावे और उसकी देखभाल करें। जिससे पर्यावरण बचाया जा सकें।

शारीरिक शिक्षक जय नारायण परिहार ने बताया कि जहॉ पर वृक्ष ज्यादा होते है। वहॉ पर बारिश भी ज्यादा होती है और वृक्ष लगाते है, तो उस वृक्ष के ऊपर हजार तरह के पक्षी घोसला बनाकर रहते है। ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उसकी देखभाल करें व जिम्मेदारी से उसको बड़ा करें।

जालोर में वन विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधिता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

क्षेत्रीय वन अधिकारी पूराराम ने बताया कि आज जिस तरह से ऑक्सीजन की कमी हो रही है। उसका मुख्य कारण वृक्षारोपण की कमी है। इसलिए अधिकाधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित कर सकते है।

इस मौके पर वनपाल भंवर सिह आकोली, वन पाल प्रकाश चौधरी, सहायक वनपाल मुकेश शर्मा, वनरक्षक भोलाराम मेघवाल, शांता कंवर , रतन लाल मेघवाल एवं भरत कुमार, कैटल गार्ड खेतसिंह एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। वही इस दौरान जैव विविधता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें शांतिलाल, जयन्तिलाल व प्रवीण कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही विजेताओ को अतिथियो द्वारा पारितोष्किक वितरित किया। मंच का संचालन सहायक वनपाल ईश्वर सिंह राव द्वारा किया गया।

ग्रीष्मकालीन अभिरूचि शिविर आज से

जोधपुर, (कासं)। इंटैक जोधपुर चैप्टर एवं लॉयन्स क्लब जोधाणा के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन निशुल्क अभिरूचि शिविर 22 मई को आरम्भ हो रहा है जो एक माह चलेगा।

इंटैक जोधपुर चैप्टर के संयोजक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने बताया कि 26 वर्षों से मसूरिया स्थित नवीन शिशु निकेतन बालिका विद्यालय में इंटैक के सह-संयोजक भागीरथ वैष्णव के निर्देशन में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं महिला सिलाई प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। करोनाकाल में वर्ष 2020 व 2021 में इस शिविर का आयोजन नहीं किया गया था।

इस बार पुन विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा साफ्ट टायज, नृत्य, कुकिंग, मेहन्दी, फेब्रिक पेन्ट, हाव क्राफ्ट, फाइन आर्ट एवं ब्यूटी ने पार्लर आदि कलाओं के साथ सिलाई का भी नि शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस शिविर के माध्यम से अनेक महिला उप अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करके आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी जिससे वे आसानी से इन कलाओं को सीखकर स्वरोजगार प्रारम्भ कर सकेगी। इन सभी कलाओं को पूर्ण अनुभवी सम प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा।

ईश्वर लाल शर्मा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जालोर, (कासं)। जालोर विकास समिति तथा सीनियर सिटीजन फोरम जालोर के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखाधिकारी, कर्मचारी नेता तथा जन हितेषी स्व.ईश्वरलाल शर्मा की स्मृति में उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित करने तथा उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने निमित्त श्रृद्धांजलि व गुणानुवाद सभा का आयोजन शनिवार देर शाम को सीनियर सिटीजन सभागार जालोर में किया गया।

स्व. ईश्वर लाल शर्मा

सभा में वक्ताओं ने शर्मा के सरल, सहज व सरस व्यक्तित्व पर चर्चा करत हुए उनकी सहयोगी प्रवृत्ति, समावेशी सोच तथा संघर्षशीलता के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की, सेवानिवृत्त लेखाधिकारी ललित कुमार दवे ने उनके जीवन वृत पर चर्चा करते हुए उनकी संघर्षशीलता व ध्येय के प्रति अडिग रहने की उनकी कार्यप्रणाली का स्मरण किया। उनके लम्बे समय तथा सहयोगी कर्मचारी नेता नारायण लाल भट्ट ने उनके साथ अपने संस्मरणों पर चर्चा कर माहोल को नम कर दिया।

जालोर विधायक व साहित्यकार जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि वे एक निष्काम कर्मयोगी की तरह जीवनपर्यन्त समाज सेवा व कर्मचारी हितों में संलग्न रहें। गर्ग ने कहा कि ईश्वर लाल शर्मा की स्मृति में एक ग्रंथ प्रकाशित किया जाना चाहिए। जिससे उनकी स्मृति को ताजा रखा जा सके, तथा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों से सभी परिचित हो सके। वरिष्ठ अधिवक्ता मधुसूदन व्यास ने कहा कि उनके व्यक्तित्व की महक को हम आज भी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने ईश्वर लाल के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिए जाने की आवश्कता बताई। जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर ने कहा कि स्व. शर्मा सिर्फ कर्मचारियों के नेता नहीं थे। वे जालोर के जन जन के नायक थे। साहित्यकार पुरूषोत्तम पोमल, अचलेश्वर आनन्द तथा परमानन्द भट्ट ने स्व. शर्मा के विराट व्यक्तित्व, स्नेहिल स्वभाव तथा गुणग्राही व्यक्तित्व पर चर्चा की।

सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता बी.एल.सुथार, समाजसेवी मदन राज बोहरा, वयोवृद्ध शिक्षक मूलराज भंडारी, हुक्मीचंद जैन, कर्मचारी नेता दलपत सिंह आर्य, पत्रकार भंवरसिह सोलंकी, जयनारायण वैष्णव ने भी अपने संस्मरणों पर चर्चा कर स्व. शर्मा को भाव पुष्प अर्पित किये। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी वीरमाराम दहिया, कालूराज मेहता, पदमा राम चौधरी ने उन्हें सच्चा समाज सेवक व कर्मयोगी बताया। सेवानिवृत्त जिला कोषधिकरी देवीलाल माली, पेंशनर समाज अध्यक्ष धनराज दवे तथा भँवर लाल राव उन्हें स्मरण करते हुए भाव भीनी श्रृद्धांजलि दी। बालोतरा से आये सेवानिवृत्त उप निदेशक पृथ्वीराज, जैसल सिंह, प्रकाश चौहान ने उन्हें ईश्वर वत बताते हुए भाव पुष्प अर्पित किये। शिवकुमार दवे व अश्विनी श्री माली ने अपने काव्यात्मक उदबोधन में स्व. शर्मा का स्मरण किया।

कार्यक्रम में भाजपा नेता रवींद्र सिंह बालावत, लक्ष्मण सुंदेशा, अम्बा लाल माली, जानकी लाल नाग, सुरेन्द्र नाग, विजय कुमार दवे, सीनियर सिटीजन फोरम अध्यक्ष ऋषि कुमार दवे, अर्जुन सिंह देलदरी सहित काफी संख्या में नागरिकों ने मौन रखकर तथा श्रद्धा सुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

भील समाज विकास समिति की बैठक हुई

सायला के भीलवाडी स्थित महादेव मंदिर कुटिया में भील समाज विकास समिति की बैठक जोइताराम राणा की अध्यक्षता में हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

सायला, (निसं)। सायला कस्बे के भीलवाडी स्थित महादेव मंदिर कुटिया में रविवार को भील समाज विकास समिति की बैठक का जोइताराम राणा की अध्यक्षता में आयोजन हुआ।

बैठक में सर्वसम्मति से भील समाज का डोर टू डोर सामाजिक सर्वेक्षण एवं सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, चिरंजीवी योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, शिक्षा का प्रचार व भील इतिहास के बारे में अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। उपाध्यक्ष बाबूराम उंडी, किशनाराम ऐलाना, भोलाराम खरल, डूंगराराम, बीजाराम तिलोड़ा, पारसाराम, दरगाराम देता, कृष्ण पोषाना, विजय राणा, पारसाराम सायला समेत समाजबंधु मौजूद थे।

तोरणिया मंदिर में हुई चोरी की का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले के चौहटन थाना क्षेत्र में तोरणिया मंदिर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो मुलजिमो को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनसे चोरी किया गया माल भी बरामद करने में सफलता हासिल की है।

एसपी दीपक भार्गव ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नरपतसिंह व वृताधिकारी वृत चौहटन धर्मेंद्र डुकिया के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी चौहटन भुटाराम के नेतृत्व मे सहायक उप निरीक्षक सुभानअली मय पुलिस टीम द्वारा रात्रि गष्त के दौरान धर्मपुरी मंदिर के पास देवाराम पुत्र टीकमाराम जाति भील व श्रवण पुत्र पारू जाति भील निवासी बांधणीया गंगासरा को संदिग्ध अवस्था में पाया जिस पर उन्हें शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया तथा इनके पास से पायी गई एक मोटरसाईकिल को कागजात के अभाव में जब्त किया गया। पुलिस ने गिरफतार मुलजिमानो से पुछताछ की तो उन्होंने तोरणिया मंदिर में से चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर इस घटना के सम्बध मे 21 मई को चोरी का दर्ज प्रकरण में गिरफतार किया गया। वही मुलजिमो की निशानदेही पर मंदिर से चोरी की गयी नकदी व मूर्ति के आभूषण तथा घटना में प्रयुक्त औजार आदि बरामद करने में सफलता हासिल की गई। मुलजिमानो से अग्रिम अनुसंधान व पूछताछ की जा रही है।

जीरावल में समाज सेवा शिविर का शुभारंभ

रेवदर के पास संघवी हंसराज कानाजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीरावल में पन्द्रह दिवसीय समाज सेवा शिविर का शुभारंभ हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट जीरावल कस्बे में स्थित संघवी हंसराज कानाजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीरावल में आयोजित हो रहे पन्द्रह दिवसीय समाज सेवा शिविर में आज प्रार्थना सभा के साथ शुभारंभ किया गया।

शिविर संचालक मुकेश पुरोहित के अनुसार प्रार्थना सभा में सरस्वती वंदना ,प्रार्थना, शिविर गीत जीवन मे कुछ करना है तो मन के मारे मत बैठो शिविरार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। माता पिता के उपकारों को याद दिलाने वाली कहानी मातृ देवो भवः,पितृ देवो भवः का वाचन किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर अध्यापक रमेश राम धर्माणी द्वारा वार्ता प्रस्तुत कि जिसमे सड़क पर चलने के नियम, दिशा, जेब्रा क्रोसिंग, यातायात पुलिस की कार्य प्रणाली, हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित उपयोग की जानकारी दी गई। विद्यालय में वृक्षों की सार संभाल व बबूल उन्मूलन का सेवा कार्य किया।

तृतीय सत्र में शिविरार्थियों ने जीरावला पार्श्वनाथ जैन मंदिर का भ्रमण कर मंदिर के इतिहासकी जानकारी प्राप्त कर मूर्तिकला व पत्थर के नक्काशी कार्य का अवलोकन किया।

इस शिविर में कक्षा बारह अध्यनरत विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निर्धारित वार्षिक कैलेंडर की अनुपालना में आयोजित शिविर में योग व्यायाम, वृक्षारोपण,परिंडा व घोसला अभियान , प्रकृति दर्शन व भ्रमण, स्वच्छता अभियान, अल्प बचत, बैंकिंग, प्राथमिक उपचार, यातायात नियमो की जानकारी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जायेगा, जिससे विद्यार्थियों में समाज से जुड़ाव तथा नैतिक संस्कारों का सींचन होगा।

निजी बस में लाया उदयपुर से मादक पदार्थ, बैग में 10.4 किलो डोडा पोस्त मिला

जोधपुर (कासं)। कमिश्नरेट की क्राइम स्पेशल टीम ने निजी बस से आए यात्री के बैग से 10.4 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। अभियुक्त से इस बारे में अब पता लगाया जा रहा है।

आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि यह डोडा पोस्त उदयपुर से लेकर आया था।

सीएसटी प्रभारी एएसआई प्रकाशराम ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि कल्पतरू शॉपिंग सेंटर पर आने वाली एक निजी बस में युवक द्वारा अवैध डोडा पोस्त लाया जा रहा है। यह पोस्त उसने एक थैले में डाल रखा है। इस पर सीएसटी के प्रभारी प्रकाशराम, हैडकांस्टेबल गंगासिंह, कांस्टेबल इमरान खां, थानाराम, तेजाराम, विशनाराम एवं रतनाराम मय जाब्ते के वहां पहुंचे।

एएसआई प्रकाशराम के अनुसार बस से उतर रहे एक संदिग्ध युवक के बैग की तलाशी लिए जाने पर उसमें से 10 किलो 4 सौ ग्राम अवैध डोडा पोस्त मिला। इस पर मंडोर के सुरपुरा हाल श्रीयादें नगर पंचवटी कॉलोनी माता का थान निवासी सुभाष पुत्र बाबूलाल विश्नोई को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। आरंभिक पूछताछ में पता लगा कि यह डोडा पोस्त उदयपुर से होकर लाया गया है।

जालोर जिले के दो स्काउट तमिलनाडू जाएंगे

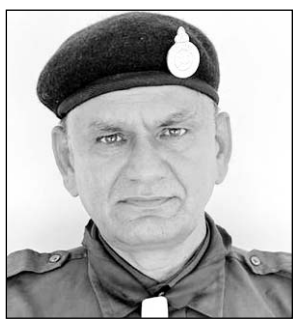

लादूराम

डॉ. उदाराम

जालोर, (कासं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में राज्य स्तरीय शैक्षिक भ्रमण मदूरै तमिलनाडू में 26 से 30 मई तक आयोजित किया जायेगा। इस राज्य स्तरीय षैक्षिक भ्रमण में राज्य मुख्यालय जयपुर ने जालोर जिले के दो स्काउट सचिव का चयन किया है।

जिला संगठन आयुक्त स्काउट एम.आर.वर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय शैक्षिक भ्रमण मदूरै तमिलनाडू के लिए लादूराम भादू सचिव स्थानीय संघ सांचोर एवं डॉ. उदाराम खिलेरी सचिव स्थानीय संघ चितलवाना का चयन किया गया है। मदूरै तमिलनाडू के शैक्षिणिक स्थानो का भ्रमण कर वहॉ की स्काउट गाइड की गतिविधियों और संस्कृति, प्राकृतिक वातावरण आदि से रुबरु हो सकेंगें। भादू और डॉ. खिलेरी सांचोर और चितलवाना में पिछले दो वर्षो से कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर की गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए 250 नये विद्यालयों को स्काउट गाइड की गतिविधियों से जोड कर और नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब की गतिविधियों के लिए पर्यावरण को बढावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं।

ध्वजारोहण कार्यक्रम हुआ

रानी, (निसं)। श्री श्वेताम्बर वीसा ओसवाल जैन संघ बिजोवा के श्री नाकोड़ा भैरव मन्दिर का वार्षिक ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आज सम्पन्न हुआ। समारोह में शांति बाई रतन चंद जगावत परिवार के श्रीमती ललिता ललित जगावत ने मंत्रोचारण के साथ ध्वजा चढ़ाई। जगावत परिवार के घर से जैन संघ ने वरघोड़ा मंदिर तक निकाला।

बिठूजा धाम में बाबा रामदेव मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के बिठूजा धाम बाबा रामदेव मंदिर का वार्षिकोत्सव 23 से 24 मई को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेंगा।

बाबा रामदेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भैंरूलाल डागा ने बताया कि 23 मई की सांय को बाबा रामसा पीर मंदिर पर राष्ट्रीय भजन गायक श्री श्याम भाई पालीवाल व अन्य भजनोपदेशक लोकप्रिय कलाकारों द्वारा विभिन्न भजनों की प्रस्तुतियाँ दी जायेंगी।

डागा ने बताया कि यह बाबा की कृपा के साथ अद्भुत संयोग ही हैं कि 23 वीं बरसी 23 मई को ही हैं जो अपने आप में ऐतिहासिक क्षण भी होगा। ट्रस्ट अध्यक्ष डागा ने बताया कि बिठूजा के छत्तीस कौम के समस्त निवासी इस आयोजन को भव्य बनाने के लिये तन-मन से अपने कृतव्य का समर्पण भाव से निर्वहन कर रहे हैं तथा गाँव वासियों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर सभी की जिम्मेदारी सुनिश्चित की गयी हैं। इस अवसर पर भक्त भविकों को संत महात्माओं का सानिध्य देने के लिए आसपास के क्षेत्रों में शिकारपुरा, समदडी, पारलु, कनाना, बालोतरा, परेऊ, तिलवाडा, सिरली, ब्रह्मधाम, आसोतरा आदि के विभिन्न संतों को निमंत्रण दिया गया हैं।

बिठूजा धाम का पौराणिक महत्व बताते हुए डागा ने बताया कि जब अजमल जी पैदल द्वारिका गए थे तब द्वारकाधीश समुद्र में भगवान विष्णु के अवतार के रूप में विराजमान थे. द्वारकाधीश के दर्शन नहीं होने पर अजमाल जी ने पुजारी जी को पूछा कि द्वारिकाधीश कहाँ हैं? तभी पुजारी जी ने अजमाल जी को बताया कि द्वारिका धीश समुद्र में विराजमान हैं। यह सुनकर अजमाल जी ने तत्काल ही समुद्र में छलाँग लगा दी। अजमाल जी के इस समर्पण भाव से प्रसन्न होकर

द्वारिकाधीश ने दर्शन देकर स्वयं के अवतार लेने का आशीर्वचन दिया। विष्णु के अवतार के रूप में जब बाबा रामदेव जी द्वारिका से उंडु काश्मीर (बाडमेर) के लिए रवाना हुए तब बाबा ने प्रथम विश्राम स्थल के लिए बिठूजा धाम में विश्राम किया। ये बाबा की ही कृपा हैं कि तब से लेकर अब तक बिठूजा की काश्मीर के नाम से अपनी पहचान कायम हैं।

बाबा रामदेव मंदिर ट्रस्ट के सचिव कुम्पाराम पंवार ने बताया कि 24 मई को ब्रह्म मुहुर्त में बाबा रामसा पीर की पूजा अर्चना के बाद आरती की जायेगी। इसके पश्चात भामाशाहों की ओर से मंदिर के शिखर पर 23 फीट की ध्वजा ढोल नगाडों के साथ चढायी जायेगी।

मंदिर- देवालयों में भी पूजा अर्चना के साथ प्रतिमाओं को नवीन वस्त्राभूषण पहनाकर गुलाब पुष्पों से श्रृंगार किया जायेगा।

पंवार ने बताया कि इस दो दिवसीय महोत्सव को लेकर मंदिर की रोशनी से भव्य सजावट की जा रही हैं। ग्राम वासियों द्वारा बिठूजा, आसोतरा, किटनोद,जसोल, माजीवाला, मैली, कनाना, सराणा, पारलू, मुंगडा, मेवानगर, तिलवाडा,जानियाणा आदि गांवों में पीले चावल देकर श्रद्धालुओं को निमंत्रण दिया जा रहा है।

विधायक जोगेश्वर गर्ग ने प्रदेश कांग्रेस सरकार को कोसा

जालोर, (कासं)। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने रविवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जालोर विधानसभा सहित पूरे प्रदेश में पानी की समस्या को लेकर लाइव आये।

जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने लाइव आकर कहा कि सरकार आमजन की समस्या को लेकर काम करने को तैयार नही है। जनता पेयजल की समस्या को लेकर परेशान है। सरकार पिछले चार गर्मी की सीजन से पेयजल की समस्या को लेकर कोई उचित कदम नहीं उठा रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दूर की नहीं सोचते हैं। उन्हें पानी की समस्या के निराकरण के लिए छह माह पूर्व नवंबर दिसंबर से ही योजना बनानी चाहिए। जिससे पेयजल की भारी किल्लत नहीं हो। माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जहां से विधायक हैं, वहां पर भी पानी की भारी किल्लत है और जहां मुख्यमंत्री के रूप में जयपुर में विराजते हैं। वहां पर भी पेयजल की बड़ी भारी समस्या है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा जल शक्ति मिशन योजना के तहत बजट आया हुआ है। लेकिन जिस का भी उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। जितना बजट खर्च करते हैं, उतना राज्य सरकार से भी लगाना होता है। राज्य सरकार तो केवल यही कहती है कि खजाना खाली है। पेयजल की समस्या को लेकर पूर्व में तैयारियां करके भी उससे निजात पाया जा सकता है कि कहां कितने पानी की आवश्यकता रहेगी उसके हिसाब से कहा कितने ट्यूवेल व अन्य व्यवस्था करवानी है, वह सारी प्रक्रिया के लिए पूर्व में ही तैयारी कर निविदा लगाकर उस पर कार्य किया जाता है।

परंतु यह सरकार जब समस्या सर पर आ जाती है, तब उसके बारे में विचार करती हैं और कुछ कर नहीं पाती है।

गुड़ामालानी में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

बाड़मेर जिले में गुड़ामालानी तहसील कार्यालय के सामने एक दिवसीय विराट हिन्दू सम्मेलन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

गुड़ामालानी, (निसं)। बाड़मेर जिले में गुड़ामालानी तहसील कार्यालय के सामने रविवार को एक दिवसीय विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ।

विराट हिंदू सम्मेलन में तारातरा मंहत प्रतापपुरी , महंत रुगनाथ भारती सिणधरी,आचार्य रामाचार्य, सुमेर भारती,गणेशनाथ महाराज, रतनपुरा मठाधीश सुंदरगिरी ,चेतनगिरी के साथ राणा कुलदीप सिंह राठौड़, प्रधान बिजलाराम चौहान, धोरीमन्ना पूर्व प्रधान ताजाराम चौधरी,आडेल प्रधान प्रतिनिधि नगाराम चौधरी, व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन,भाजपा नेता सांवलाराम पटेल,किसान नेता प्रहलाद सियोल, पंचायत समिति सदस्य कांतिलाल सोनी भाजपा जिला प्रवक्ता पहलाद मेघवाल उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी प्रमोद कुमार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया।

दो दिन पूर्व गुड़ामालानी में हुई नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार की घटना को लेकर रविवार को विभिन्न हिन्दू संगठनों ने मिलकर विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया।

> **दो दिन पूर्व गुड़ामालानी में हुई नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार की घटना को लेकर रविवार को हिन्दू संगठनों ने मिलकर विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया**

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तारातरा मठाधीश प्रतापपुरी ने कहा कि अर्जुन ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए धनुष उठाया था । इसलिए हमें अपनी संस्कृति एवं अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने धर्म की रक्षा करनी है तथा आज युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसलिए अपने बच्चों को मोबाइल और नशे से दूर ले जाते हुए उन्हें अपने देश और सांस्कृति एवं धर्म के बारे जानकारी देने की बात कही।

सिणधरी महन्त रघुनाथ भारती ने कहा कि हम अपनी हिंदू संस्कृति को भूल गए हैं । हम अपने हिंदू संस्कृति को कायम रखकर एकता बनाए रखने कि बात कही।

राणा कुलदीप सिंह राठौड़ ने पुलिस प्रशासन द्वारा मामले में की गई कार्रवाई को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। महंत रामाचार्य विश्नोई ने जम्मू कश्मीर का हवाला देते हुए कहा कि एकता नहीं रखी तो जम्मू कश्मीर में जो कश्मीरी पंडितों के साथ हुआ। ऐसे हालात नहीं होने को लेकर हमे संगठन में रखकर अपनापन बनाएं रखने कि बात कही । कार्यक्रम में कहीं संतो कर संबोधित कर अपने अपने विचार प्रकट किए । कार्यक्रम का मंच संचालन पदमाराम आंजना के द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य देवाराम चौधरी, बाबूलाल माजू, अमराराम बेनीवाल,बाबूलाल बिश्नोई, अशोक सिंह राजावत, खीमसिंह नगर, गौ भक्त किसनाराम सियाक, सुरेश सेवग, दुर्गादास वैष्णव,गोविंद विश्नोई, रामकिशन विश्नोई,जबरसिंह राजपूत, दीपाराम चौधरी सहित सैकड़ों गांवों के लोग उपस्थित रहे।

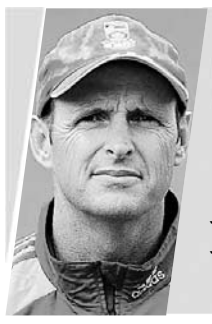

जाहिर तौर पर हम उनसे (साहा) काफी है। उनका (साहा) टीम में होना शानदार है। वह एक पेशेवर है और उन्हें आईपीएल और क्रिकेट के सभी प्रारूपों का अच्छआ अनुभव है। - गैरी कर्स्टन

गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक, ऋद्धिमान साहा के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ एच.एस. प्रणय

टखने में चोट के बाद भी अपने करियर की सबसे यादगार जीत में से एक दर्ज करने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में हार व मानने की मानसिकता ने उन्हें थॉमस कर सेमीफाइनल में डेनमार्क पर शानदार जीत के दौरान प्रेरित किया। प्रणय ने निर्णायक एकल मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय पुरुष टीम ने यहां डेनमार्क पर 3-2 से जीत के सात इतिहास रच दिया। भारतीय टीम पहली बार थॉमस कप के फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1932 में 87 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन है।

आईपीएल के आखिरी लीग मैच में पंजाब ने हैदराबाद को पांच विकेट से हराया

हरप्रीत बरार ने जीता मैन ऑफ द मैच का खिताब

मुम्बई, 22 मई। लियाम लिविंग्स्टन की पांच छक्कों से सजी 49 रन की तूफानी पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के परिणामं के लिहाज से महत्वहीन मुकाबले में रविवार को 29 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। पंजाब ने इस तरह जीत के साथ आईपीएल में अपना अभियान समाप्त किया।

वही हरप्रीत बरार ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लेकर मैन आफ दी मैच का खिताब जीता। हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा (43), वाशिंगटन सुंदर (25) और रोमरियों शेफर्ड (नाबाद 26) की उपयोगी पारियों से 20 ओवर में आठ्ठ विकेट पर 157 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन पंजाब ने 15.1 ओवर में पांच विकेट पर 160 रन बनाकर आसान जीत हासिल कर ली। पंजाब की 14 मैचों में यह सातवीं जीत रही जबकि हैदराबाद 14 मैचों में आठ्ठवीं हार के साथ पंजाब से दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर रहा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे हैदराबाद के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने 32 गेंदों पर 43 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। राहुल त्रिपाठी ने 18 गेंदों में 20 और एडन मारक्रम ने 17 गेंदों में 21 रन बनाये। हैदराबाद ने अपना पांचवां विकेट 96 के स्कोर पर गंवा दिया था लेकिन इसके बाद सुंदर और शेफर्ड ने छठे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। सुंदर ने 19 गेंदों की अपनी पारी में तीन चौके हुए एक छक्का लगाया जबकि शेफर्ड ने 15 गेंदों की अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए।

स्कोर बोर्ड

हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
प्रियम गर्ग का मयंक बो रबाडा	4	7	0	0
अभिषेक का लिविंगस्टन बो हरप्रीत	43	32	5	2
त्रिपाठी का धिवन बो हरप्रीत	20	18	1	1
मार्करम स्टं जितेश बो हरप्रीत	21	17	2	0
निकोलस का जितेश बो एलिस	5	10	0	0
वॉशिंगटन का धवन बो नाथन	25	19	3	1
रोमारियो नाबाद	26	15	2	2
जगदीश का प्रेक बो नाथन	0	1	0	0
भुवनेश्वर रन आउट	1	1	0	0
उमरान नाबाद	0	1	0	0
अतिरिक्त :	12			

कुल : 20 ओवर में 8 विकेट पर 157 रन
विकेट पतन : 1-14, 2-61, 3-76, 4-87, 5-96, 6-154, 7-154, 8-156
गेंदबाजी : लिविंगस्टन 4-0-25-0, अर्शदीप 4-0-25-0, रबाडा 4-0-38-1, नाथन 4-0-40-3, हरप्रीत 4-0-26-3

पंजाब	रन	गेंद	4	6
बेयरस्टो बो फजल	23	15	5	0
धवन बो फजल	39	32	2	2
शाहरुख का सुंदर बो उमरान	19	10	2	1
मयंक का जगदीश बो सुंदर	1	4	0	0
लिविंगस्टन नाबाद	49	22	2	5
जितेश का प्रियम बो जगदीश	19	7	3	1
प्रेरक नाबाद	4	1	1	0
अतिरिक्त :	6			

कुल : 15.1 ओवर में 5 विकेट पर 160 रन
विकेट पतन : 1-28, 2-66, 3-71, 4-112, 5-133
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 2-0-22-0, सुंदर 2-0-19-1, फजल 4-0-32-2, जगदीश 4-0-38-1, उमरान 2.1-0-24-1, रोमारियो 1-0-23-0

पुजारा की टेस्ट टीम में वापसी, प्रसिद्ध कृष्णा नया चेहरा

नई दिल्ली, 22 मई। इंग्लैंड के ख़िलाफ़ होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए चेतेश्वर पुजारा की भारतीय टीम में वापसी हुई है। दक्षिण अफ्रीका में ख़राब प्रदर्शन के बाद पुजारा को श्रीलंका के ख़िलाफ़ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज़ से बाहर कर दिया गया था। अब काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर उन्होंने टीम में वापसी की है।

चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुए रवींद्र जडेजा को भी 17 सदस्यीय दल में जगह मिली है, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा नए चेहरे हैं। इंग्लैंड के ख़िलाफ़ यह टेस्ट एक से पांच जुलाई के बीच एज़बेस्टन में खेला जाएगा।

इंग्लैंड के ख़िलाफ़ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय दल- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रवि अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

पर्वतारोही पियाली बसाक ने एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा

कोलकाता, 22 मई। पश्चिम बंगाल से आने वाली पर्वतारोही पियाली बसाक ने रविवार को एक नयी उपलब्धि हासिल करते हुए बिना पूरक ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट (8848 मी) की चढ़ाई पूरी की। एक अक्टूबर, 2021 को माउंट धौलागिरी-1 (8167 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने वाली बसाक पूरक ऑक्सीजन के बिना दुनिया के सातवें सबसे ऊंचे पर्वत के शिखर पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। एक रिपोर्ट में काठमांडू में उनके एजेंट कार्यालय मेसर्स पायनियर के हवाले से कहा गया कि उन्होंने एवरेस्ट पर पहुंचने के बाद लगभग सुबह नौ बजे राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। संदेश में कहा गया कि पियाली बसाक बिना पूरक ऑक्सीजन समर्थन के दुनिया के शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

पियाली बसाक पूरक ऑक्सीजन समर्थन के बिना माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से को फतह करने के लिए निकली थीं। धन की कमी के कारण उन्हें अपना अभियान लगभग छोड़ना पड़ा था, लेकिन आखिरकार उन्हें शुक्रवार की सुबह एवरेस्ट के लिये अनुमति मिल गई। पियाली बसाक ने शनिवार को शाम सात बजे (नेपाली समय) के आसपास अपना सफ़र शुरू किया और नेपाल की ओर से एक शेरपा गाइड के साथ लगभग सुबह नौ बजे (नेपाली समय) शिखर पर पहुंच गयीं। पियाली बंगाल की पहली महिला हैं जिन्होंने बिना ऑक्सीजन की बोतल के एवरेस्ट पर चढ़ाई की है, जो कम से कम 27,000 फीट ऊपर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक दिन के आराम के बाद, हुगली जिले के चंदननगर की पियाली सोमवार को बिना ऑक्सीजन की बोतल के 8,516 मीटर की ऊंचाई पर दुनिया के चौथे सबसे ऊंचे पर्वत ल्होत्से पर चढ़ाई का प्रयास करेंगी।

मैदान पर मौजूद खिलाड़ी आश्वस्त नहीं थे, इसलिये रिव्यू नहीं लिया : रिषभ पंत

मुंबई, 22 मई। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स के बीच शनिवार को खेले गये आईपीएल मैच में जब टिम डेविड बल्लेबाज़ी करने आये तो मुंबई को 33 गेंदों पर 65 रन चाहिये थे। डेविड की पारी की पहली गेंद उनके बल्ले का किनारा छूकर रिषभ पंत के दस्तानों में जा पहुंची।

हल्की आवाज़ आने पर पंत ने अपील भी की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया और कुछ सोच-विचार करने के बाद पंत ने रिव्यू भी नहीं लिया। उस समय दिल्ली कैपिटल्स के पास दोनों रिव्यू बाकी थे। इसके बाद डेविड ने 10 गेंदें खेलकर ताबड़तोड़ 34 रन बनाये और मुंबई पांच गेंदें रहते मैच जीत गयी।

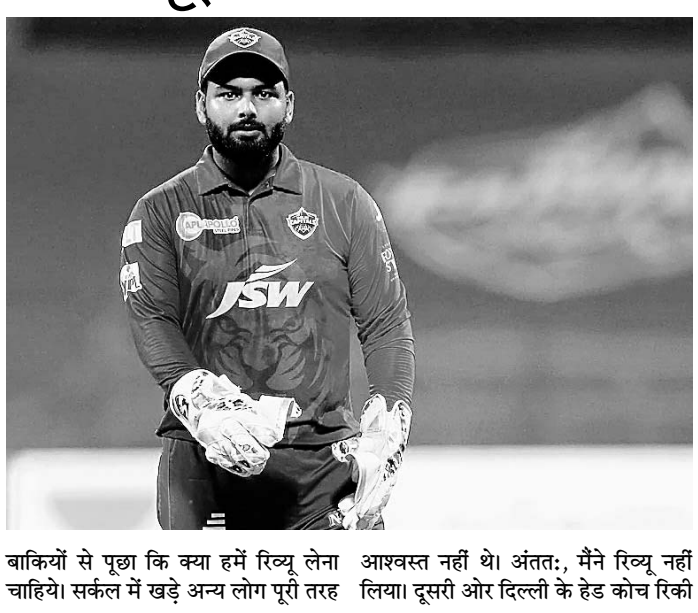

मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए पंत ने कहा कि मैदान पर मौजूद अन्य खिलाड़ी विकेट को लेकर आश्वस्त नहीं थे इसलिये उन्होंने रिव्यू नहीं लिया उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि वहां कुछ था, इसलिये मैंने बाकियों से पूछा कि क्या हमें रिव्यू लेना चाहिये। सर्कल में खड़े अन्य लोग पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे। अंततः, मैंने रिव्यू नहीं लिया। दूसरी ओर दिल्ली के हेड कोच रिकी पॉन्टिंग ने कहा कि उनकी टीम सिर्फ एक निर्णय की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि उनकी हार के अन्य कारण भी थे उन्होंने पोस्ट मैच कांफ्रेंस में कहा कि मैच के एक पहलू पर उंगली रखकर बताना हमेशा मुश्किल होता है। मैच की शुरुआत में हमारे ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमने करीब 30-40 रन पर चार विकेट खो दिये थे। यह एक टी20 मैच की अच्छी शुरुआत नहीं थी। खासकर ऐसे मैच की जिसे जीतना हमारे लिये आवश्यक था।"

पॉन्टिंग ने कहा कि टिम डेविड पहली बॉल पर करीब-करीब आउट होने के बाद अच्छा खेले, लेकिन मैच के ऐसे कई पहलू हैं जिनसे हम निराश होंगे। महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी ऐसे मैचों से कुछ न कुछ सीखेंगे। अंततः, मैं बहुत दुखी महसूस कर रहा हूं कि मैच हमारे हाथों से फिसल गया जब उन्हें आखिरी सात या आठ ओवरों में 12 रन प्रति ओवर चाहिये थे।"

मध्यप्रदेश को 3-0 से हराकर यूपी तीसरे स्थान पर

इंफाल, 22 मई। बेहतरीन तालमेल और तेजतर्रार खेल का प्रदर्शन करते हुये उत्तर प्रदेश ने 12वीं हाकी इंडिया सब जूनियर महिला हाकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया। प्रतियोगिता का फाइनल आज शाम छह बजे हरियाणा और झारखंड के बीच खेला जायेगा।

खुमार लंपाक हाकी स्टेडियम में रविवार सुबह खेले गये मुकाबले में यूपी की लड़कियां पूरे मैच में प्रतिद्वंदी टीम पर हावी रहीं। मैच के पहले क्वार्टर के चौथे और पांचवें मिनट पर पीतांबरी कुमारी और प्रीति पटेल ने मध्य प्रदेश की रक्षा पंक्ति को तहस नहस करते हुये शानदार फील्ड गोल किये जबकि मैच के 58वें मिनट पर कंचन कुमारी ने एमपी की गोलकीपर कृषा परिहार को चकमा देते हुये तीसरा गोल दाग कर अपनी टीम की जीत की पटकथा लिख दी।

प्रतियोगिता में यूपी की लड़कियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। यूपी टीम ने पहले लीग मैच में गुजरात को 21-0 से रौंद कर अपने सफर की शुरूआत की थी जबकि बाद में उसने छत्तीसढ़ को 8-2 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी, और चंडीगढ को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में यूपी को कड़े संघर्ष में झारखंड से 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी और उसका खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिये भारतीय टीम घोषित

रोहित और विराट सहित कई बड़े नामों को आराम, राहुल को कप्तानी

नई दिल्ली, 22 मई। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ आगामी टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टी20 टीम में कप्तान रोहित शर्मा सहित विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। केएल राहुल इस टीम की कमान संभालेंगे, जिसमें हार्दिक पांड्या और दिनेश कार्तिक की वापसी हुई है। तेज गेंदबाज उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह इस टीम के नए चेहरे हैं। ऋषभ पंत को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

चोट से उबरने के बाद हार्दिक पांड्या को टीम में शामिल किया गया है। साथ ही आईपीएल में विस्फोटक बल्लेबाज़ी करने के बाद दिनेश कार्तिक को भी टीम में वापिस बुलाया गया है। पंजाब किंग्स के लिये वर्षों से बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रहे अर्शदीप सिंह और आईपीएल 2022 में अपनी तेज़ रफ्तार गेंदबाज़ी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचने वाले उमरान मलिक को पहला कॉल-अप भेजा गया है।

टीम- केएल राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, इशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान/विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युज़वेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश ख़ान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

बहरीन पैरा बैडमिंटन में भारत ने 7 स्वर्ण सहित 23 पदक जीते

मनामा, 22 मई। शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद भगत और तरुण ढिल्लों के दो-दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने पहली बहरीन पैरा बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 में सात स्वर्ण सहित 23 पदकों के साथ अपना सफर समाप्त किया। होनहार युगल शटलर मनीषा रामदास ने दो स्वर्ण पदक जीते, जबकि नित्या सेरे सुमति सिवन (डब्ल्यूएस एसएच 6) और धिनगरन पांडुरंगन और शिवराजन सोलाईमलाई (डबल एसएच 6) ने भारत को अन्य पदक दिलाये।

एशिया कप के पहले दिन भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

जकार्ता, 22 मई। हीरो एशिया कप का मौजूदा चैम्पियन भारत इस बार के अपने एशिया कप की शुरुआत सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीबीके एरिना में करेगा। रोमांच से भरपूर पहले दिन में मलेशिया का सामना ओमान से होगा, जो एक पखवाड़े पहले थाईलैंड में अपने एशियाई खेलों के क्वालीफायर की सफलता के बाद आत्मविश्वास से भरे हुए हैं।

एशियाई चैम्पियन्स ट्रॉफी खिताब धारक कोरिया पूल बी मैचों में बांग्लादेश से खेलेगा, जबकि जापान, जो एशियाई खेलों का गत चैंपियन भी है, मेजबान इंडोनेशिया से भिड़ेगा। एशियाई हॉकी महासंघ कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में, जो विश्व कप क्वालीफायर भी है, भारत ने ढ ाका में आयोजित फाइनल में मलेशिया को 2-1 से हराया था। भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार एशिया कप का अपने नाम किया है।

भारत ने अनुभवी कप्तान बीरेंद्र लाकड़ा और उपकप्तान एसवी सुनील के साथ खेलने के लिये एक युवा टीम का चयन किया है। टोक्यो ओलंपिक खेलों में स्टार प्रदर्शन करने वाले सिमरनजीत सिंह लंबी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। टीम को दो बार के ओलंपियन और पूर्व कप्तान सरदार सिंह टीम के साथ कोच के रूप में जुड़ेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मैच की पूर्व संध्या पर बोलते हुए, लाकड़ा और सुनील दोनों ने उच्च दबाव वाले खेल में युवाओं का मार्गदर्शन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुनील ने कहा, दबाव हमेशा (पाकिस्तान के खिलाफ) होता है।

हार के बावजूद पोंटिंग ने रिषभ पंत का समर्थन किया

मुंबई, 22 मई। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ शनिवार का मुकाबला हारकर आईपीएल 2022 से बाहर होने के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने बतौर कप्तान पंत का समर्थन किया है।

मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में पोंटिंग ने कहा कि मुझे कोई संदेह नहीं है कि, पिछले सीज़न भी, पंत कप्तानी के लिये सही विकल्प थे। जब आप वक्त में पीछे जाकर देखेंगे, श्रेयर (अय्यर) चोटिल हो गये थे और रिषभ ने कप्तानी संभालते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था। पिछले सीज़न हम अंक तालिका में सबसे ऊपर थे। हम आखिरी दो मैच भले ही हार गये थे, लेकिन मुझे कोई शक नहीं है कि पंत कप्तान के तौर पर सही विकल्प हैं।"

पोंटिंग ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं। वह अभी भी कप्तानी के बारे में बहुत कुछ सीख रहे हैं। एक टी20 टीम का कप्तान होना आसान नहीं है, वह भी आईपीएल जैसी बड़ी लीग में। दुर्भाग्यवश, जब आप इतने बड़े खिलाड़ी होते हैं तो आपके हर फैसले, हर कदम पर सवाल उठाए जाते हैं। इसलिये उन्हें मेरा पूरा समर्थन है, और उम्मीद है कि अगले साल हम फिर एक साथ काम करेंगे। पंत के विपक्षी कप्तान रोहित शर्मा ने भी पंत का समर्थन करते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन कप्तान हैं।

रोहित शर्मा ने कहा कि वह एक बेहतरीन कप्तान हैं। कभी-कभी चीज़ें आपके अनुसार नहीं चलतीं। मैं इस स्थिति में रहा हूं और मैं उन्हें अभी यही बता रहा था। कभी-कभी चीज़ें आपकी योजना के अनुसार नहीं होतीं। इसमें कुछ बुराई नहीं है। इस सब से आप बहुत कुछ सीख सकते हैं। रोहित ने कहा कि पंत विकेट के पीछे से खेल को बहुत अच्छी तरह पढ़ ते हैं और ऐसे दबाव वाले टूर्नामेंट में छोटी-मोटी गलतियां होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि अपना आत्मविश्वास न खोना बेहद महत्वपूर्ण है। रोहित ने कहा कि पंत आत्मविश्वास वाले खिलाड़ी हैं और अगले सीज़न वह मज़बूत वापसी करेंगे।

मैं पहली बार खराब फॉर्म से नहीं जूझ रहा हूं : रोहित

मुम्बई, 22 मई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस आईपीएल में अपने प्रदर्शन से काफ़ी निराश हैं लेकिन उनका मानना है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। इस सीज़न खेले कुल 14 मुक़ाबलों में वह केवल 19.14 की औसत और 120 के स्ट्राइक रेट से 268 रन ही बना पाए। ऐसा पहली बार हुआ जब आईपीएल के किसी सीज़न में वह एक अर्धशतक तक नहीं बना पाए।

रोहित ने अपनी फ़ॉर्म पर चर्चा करते हुए कहा कि काफ़ी चीज़ें मेरे अनुरूप नहीं गईं। हालांकि यह चीज़ें पहले भी मेरे साथ हो चुकी हैं लिहाज़ा मैं पहली बार इन परिस्थितियों का सामना नहीं कर रहा हूं। मुझे पता है कि क्रिकेट यहां समाप्त नहीं होती अभी आगे काफ़ी क्रिकेट खेलनी है।

मुझे मानसिक पहलू पर थोड़ा काम करने की ज़रूरत है ताकि मैं वापस अपनी लय प्राप्त कर सकूं। मुझे बस थोड़े से समायोजन की दरकार है और जब भी मुझे खाली समय मिलेगा मैं इस पर काम करूंगा। रोहित की ख़राब फ़ॉर्म का खामियाज़ा टीम को भी भुगतना पड़ा। मुंबई इस सीज़न के पहले आठों मुक़ाबले हार गई। पिछले छह मुक़ाबलों में उन्होंने चार मुक़ाबले ज़रूर अपने नाम किए लेकिन तब तक काफ़ी देर हो चुकी थी। रोहित ने इस सीज़न मुंबई के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि यह सीज़न हमारे लिए काफ़ी निराशाजनक रहा, हम सीज़न की शुरुआत में अपनी योजनाओं को धरातल पर नहीं उतार सके। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको मॉमेंटम बनाना पड़ता है।

शुरुआत में हम एक के बाद एक लगातार मुक़ाबले हारते रहे। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह था कि हम योजनाओं को अपने हिसाब से मैदान में लागू करें लेकिन चीज़ें वैसी घटित नहीं हुईं जैसा हम चाहते थे। हालांकि एक नई टीम के साथ ऐसा होता है क्योंकि खिलाड़ियों को अपनी भूमिकओं को समझने में समय लगता है। कुछ खिलाड़ी इस फ्रैंचाइज़ी के लिए पहली बार खेल रहे थे, अपनी राष्ट्रीय, राज्य या दूसरी लीग में वह जो भूमिका निभाते हैं उसके मुक़ाबले यहां उन्हें दूसरी भूमिकाएं दी गई थीं और यही वजह रही कि उन्हें नई भूमिकाओं से तालमेल बनाने में समय लग गया।"

स्वदेशी मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू के लिये यूपी की टीम ने कमर कसी

लखनऊ, 22 मई। पंचकूला हरियाणा में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वदेशी मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू के लिये उत्तर प्रदेश टीम के चयन और प्रशिक्षण के लिये तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। चौक स्टेडियम इंडोर हॉल में शिविर का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर केरल से आए कलारीपयट्टू प्रशिक्षक एक्सपर्ट्स व प्रदेश के खिलाड़ियों ने खेल की विभिन्न तलवारबाजी, लाठी, उर्मी जैसी पारंपरिक विधाओं का प्रदर्शन भी किया। यूपी कलारीपयट्टू एसो. के सीईओ प्रवीण गर्ग ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये केरल से खेल के एक्सपर्ट श्रीजयन, अनश्वरा, श्रीलक्ष्मी, कीर्थना कृष्ण को बुलाया गया है ताकि प्रदेश की टीम खेलो इंडिया में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन करे।

हरियाणा ने जीता महिला जूनियर हॉकी का खिताब

इंफाल 22 मई। खेल के हर विभाग में झारखंड को 19 साबित करते हुये हरियाणा ने रविवार को 12वीं हाकी इंडिया सब जूनियर महिला हाकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। इससे पहले सुबह के सत्र में उत्तर प्रदेश ने मध्य प्रदेश को 3-0 से हरा कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। खुमार लंपाक हाकी स्टेडियम में रविवार शाम खेले गये फाइनल मुकाबले में हरियाणा के खिलाड़ियों ने तालमेल और सूझबूझ के खेल का प्रदर्शन करते हुये झारखंड पर शुरू से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया, नतीजन खेल के 13वें मिनट में रिया ने झारखंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुये अपनी टीम के लिये पहला गोल दागा। बाद के क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने एक दूसरे पर हमले किये मगर कोई भी टीम इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। हरियाणा की ओर से दूसरा निर्णायक गोल 39वें मिनट में सेजल ने किया और अपनी टीम को ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया। आखिरी के 15 मिनट झारखंड की लड़कियों ने गोल करने का भरपूर प्रयास किया जिसे हरियाणा की चपल रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया और अंततः हरियाणा को चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

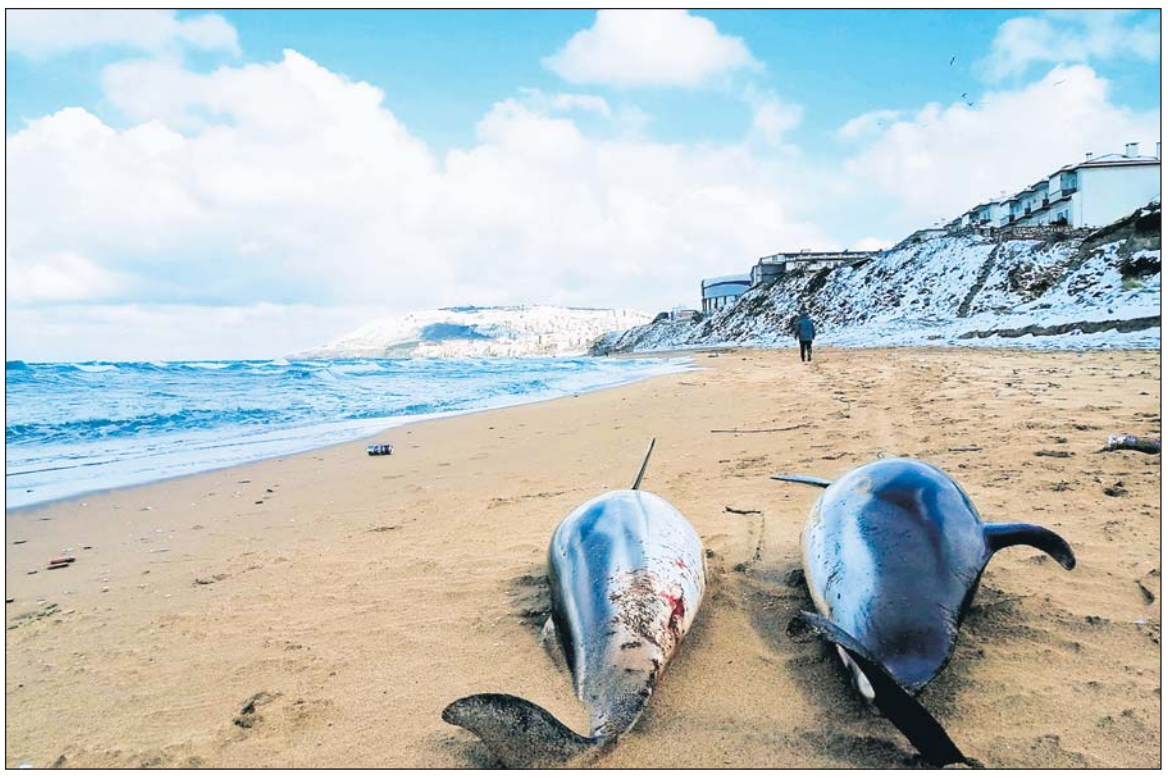

वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल ही में ब्लैक सी में डॉल्फिन्स की मौतों में जो बढ़ोतरी हुई है उसका कारण यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि, नॉर्थ ब्लैक सी में 20 रुसी नौसैनिक जलयानों तथा यूक्रेन में चल रही सैन्य गतिविधियों की वजह से ध्वनि प्रदूषण बहुत अधिक है, जिसके कारण डॉल्फिन्स टर्की तथा बुल्गारिया के समुद्र तटों की ओर जा रही हैं। यहां पहुंचने पर या तो ये असहाय हो जाती हैं या फिर फिशिंग नैट्स में फंस जाती हैं। युद्ध की शुरुआत से, टर्की के ब्लैक सी तट पर कॉमन डॉल्फिन (डैल्फाइनस डैल्फस) फंसने की संख्या में वृद्धि हुई है। टर्की के वैस्टर्न ब्लैक सी कोस्ट पर 80 से अधिक डॉल्फिन मृत पाई गईं। टर्किश मरीन रिसर्च फाउण्डेशन ने इसे "असाधारण वृद्धि" बताया है। फाउन्डेशन द्वारा की गई जाँच में पाया गया कि इनमें से आधी डॉल्फिन्स की मृत्यु मछली पकड़ने वाले जालों में फँस जाने के बाद हुई। फाउन्डेशन के चेयरपर्सन डॉ. बेराम ओज़तुर्क के अनुसार, शेष डॉलफिन की मृत्यु अभी भी एक "अनुत्तरित प्रश्न है, क्योंकि इनके शवों पर फँसाये जाने या गोली मारे जाने के जख्म नहीं पाये गये हैं।" ओज़तुर्क कहते हैं कि, तेज शोर एक संभावना हो सकती है डॉल्फिन्स की मृत्यु की। उन्होंने कहा कि "ब्लैक सी में हमने कभी इतने सारे जहाज और इतने लम्बे समय तक इतना शोर नहीं देखा था पर विज्ञान को प्रमाण चाहिए। हमारे पास प्रमाण नहीं हैं कि कितनी आवृत्ति वाला सोनार ब्लैक सी में है। सोनार, अर्थात साउण्ड नैविगेशन एण्ड रेंजिंग (एस.ओ.एन.ए.आर.) एक टैक्नीक है जिसका इस्तेमाल नौसेनाएं दुश्मन की पनडुब्बियों का दूर से ही पता लगाने के लिए करती हैं। चूंकि समुद्री जीव संचार व अन्य कार्यों के लिए ध्वनियों पर निर्भर करते हैं इसलिए अण्डर वॉटर शोर उन पर गंभीर प्रभाव डालता है। यूक्रेन की नैशनल अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के वैज्ञानिक डॉ. पावेल गोल्डिन कहते हैं कि, स्थायी अण्डरवॉटर शोर से जानवरों की मौत भले ही ना हो पर इससे गंभीर अव्यवस्था फैल सकती है, जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। उदाहरण के लिए डॉल्फिन्स व अन्य प्रजातियां अनजाने क्षेत्रों की ओर जा सकती हैं। बुल्गारिया के कंज़र्वेशन संगठन, ग्रीन बाल्कन्स के प्रोजैक्ट मैनेजर दिमितर पोपोव ने भी बुल्गारिया के समुद्र तट पर यह प्रवृति देखी, खासकर ब्लैक सी हारबर पॉरपस (समुद्री जीव) में। वैज्ञानिकों ने चिंता जताई कि "युद्ध में समुद्री जीवों की सुरक्षा का कोई प्रोटोकॉल नहीं है। यहाँ दर्जनों जहाज हैं और हमें नहीं पता कि वे कब तक सोनार तकनीक इस्तेमाल करेंगे।"

राजस्थान की राज्यसभा सीटों के लिए बी.टी.पी.और आर.एल.पी. की भूमिका महत्वपूर्ण

अब तक बी.टी.पी. सरकार के साथ थी लेकिन अब गुजरात में कांग्रेस के खिलाफ वह आप से गठबंधन कर चुकी है

जयपुर, 22 मई (का.प्र.)। राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटें आगामी 4 जुलाई को रिक्त होने वाली हैं। इनके लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है और 10 जून को राजस्थान की चारों राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने जा रहा है। इन चारों सीटों पर अभी तक भाजपा काबिज थी, 2018 में विधानसभा चुनावों में बदली सत्ता के बाद अब इन चार में से दो सीटों पर कांग्रेस काबिज होने वाली है। एक सीट भाजपा की मानी जा रही है, लेकिन चौथी सीट का गणित उलझ सकता है, क्योंकि भाजपा दो उम्मीदवार उतार सकती है। ऐसे में खेल रोचक हो जाएगा।

- **इधर आर.एल.पी. अब तक भाजपा के साथ थी लेकिन वह भी गठबंधन को छोड़ चुकी है।**
- **दो सीटों पर कांग्रेस, एक पर भाजपा होगी काबिज, चौथी सीट पर दोनों के पास अतिरिक्त वोट, लेकिन जीत के लिए जुगाड़ करना होगा।**

राजस्थान की चार में से एक सीट जीतने के लिए प्रथम वरीयता के 41 वोट चाहिए। इस लिहाज से कांगेस की दो सीटें साफ नजर आ रही हैं। एक सीट भाजपा के खाते में जाएगी, वहीं तीसरी सीट पर कांग्रेस अपने सहयोगी दल और निर्दलीय विधायकों के जरिए जीत दर्ज करने की जुगत में है। जो सीटें खाली होने वाली हैं, उन पर भाजपा के ओम प्रकाश माथुर, के.जे. अल्फोंस, रामकुमार वर्मा, हर्षवर्धन सिंह डूंगरपुर निर्वाचित हुए थे।

प्रदेश में 2018 के सत्ता परिवर्तन होने से पहले राजस्थान की सभी दस की दस सीटें भाजपा के पास थीं। लेकिन सत्ता बदलने के बाद तीन सीटें कांग्रेस के खाते में आ गई। अब इन चुनावों के बाद कांग्रेस की राज्यसभा सीटों की संख्या में इजाफा होगा।

असल में राज्य सभा चुनाव अनुपातिक पद्धति के मुताबिक इस बार चार सीटें रिक्त हैं। इस लिहाज से हर एक प्रत्याशी को जीत के लिए प्रथम वरीयता के 41 वोट चाहिए। असल में राज्यसभा के चुनाव में विधायक हिस्सा लेते हैं।

राज्यसभा के चुनाव फॉर्मूले में विधायकों की कुल संख्या में राज्यसभा की रिक्त सीटों की संख्या और फिर एक जोड़ दिया जाता है। राजस्थान में 200 विधायक हैं इसमें चार रिक्त सीट प्लस एक का भाग दिया जाएगा। इस तरह से यह संख्या 40 आती है जिसमें एक जोड़ा जाता है। इस तरह से 41 वोट चाहिए।

वर्तमान में कांग्रेस के पास खुद के 108 सीटे होने के कारण दो सीटे जीतने के लिए प्रयाप्त 82 वोट हैं। तीसरी सीट के लिए पार्टी के पास 26 वोट बचते हैं। ऐसे में तीसरी सीट जीतने के लिए कांग्रेस के पास 15 वोटों की कमी रहने वाली है। इनमे 13 निर्दलीय हैं, तो राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक सरकार के साथ में है। वहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मा.) सरकार के साथ रहेगी, लेकिन अब तक सरकार के साथ रहने वाली बी.टी.पी. गुजरात में आम आदमी पार्टी से हाथ मिला चुकी है। ऐसे में देखना होगा कि क्या राज्य सभा चुनाव में बीटीपी राजस्थान में कांग्रेस के साथ आती है या नहीं। वही भाजपा के पास 71 विधायक हैं। इस लिहाज से एक सीट पर जीत दर्ज हो सकेगी। ऐसे में 1 सीट जीतने के बाद भाजपा के पास 30 वोट बचेंगे लेकिन। बाकी 10 वोट भाजपा कहां से ले पाएगी, यह बहुत मुश्किल सवाल है। क्योंकि अब तक भाजपा के साथ रही आर.एल.पी. भी गठबंधन छोड़ चुकी है। ऐसे में उसके तीन विधायकों के वोट काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सांसद अधीर रंजन का ट्विटर अकाउंट हैक

नई दिल्ली, 22 मई (वार्ता)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने साउथ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि उनका ट्विटर अकाउंट को हैक किया गया है और उनकी छवि खराब करने के लिए आपत्तिजनक पोस्ट की जा रही है।

चौधरी ने आज दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत में कहा है कि वह एक राजनीतिक कार्यक्रम में गए थे और उनका मोबाइल उनके साथ नहीं था फिर भी उनके मोबाइल के माध्यम से उनके ट्विटर पर गलत तथ्य पोस्ट किये गए है।

- **अधीर रंजन चौधरी ने दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत में कहा है कि, वे एक राजनीतिक कार्यक्रम में गए थे और उनका मोबाइल उनके साथ नहीं था फिर भी उनके मोबाइल पर ट्विटर मैसेज आ रहे थे।**

उन्होंने इस मामले की साइबर अपराध शाखा से जांच कराने की मांग की है और अपराधियों को गिरफ्तार करने का पुलिस से आग्रह किया है।

इस बीच दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने चौधरी से कहा है कि जिस मोबाइल फोन से आपत्तिजनक पोस्ट उनके नाम से ट्विटर पर पोस्ट की गई है वह उस फोन को दिल्ली पुलिस को सौंप दें ताकि मामले की जांच आसान हो सके।

देश में करोना के एक के बाद एक दो नये वैरिएंट मिले

भारत में करोना के बी.ए-4 वैरिएंट के बाद अब बी.ए-5 वैरिएंट मिलने की जानकारी सामने आने के बाद चिंता बढ़ने की आशंका

मुंबई, 22 मई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दसवें सप्ताह कम होता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 6 मई को समाप्त सप्ताह में 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर, 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 8 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 1 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में दो अरब डॉलर कम होकर 617.6 अरब डॉलर, 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.6 अरब डॉलर घटकर 619.7 अरब डॉलर और 11 मार्च को समाप्त में 9.6 अरब डॉलर लुढ़ककर 622.3 अरब डॉलर रहा था।

- **तमिलनाडु की एक 19 साल की लड़की को कोरोना के बी.ए-4 वैरिएंट से संक्रमित पाया गया है। मरीज में हल्के लक्षण देखे गए और उसे कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं।**
- **इसके अलावा करोना के बीए.5 वैरिएंट का भी एक मामला सामने आया है। यह केस तेलंगाना से आया है। बी.ए-5 से संक्रमित मरीज में भी हल्के लक्षण पाए गए हैं और उसे भी टीके की दोनों डोज लग चुकी है।**

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.3 अरब डॉलर घटकर 529.5 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 40.6 अरब डॉलर रह गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एस.डी.आर.) 16.5 करोड़ डॉलर की कम होकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के पास आरक्षित निधि 3.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

लगातार 10वें हफ्ते गिरा देश का विदेशी मुद्रा भण्डार

मुंबई, 22 मई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दसवें सप्ताह कम होता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 6 मई को समाप्त सप्ताह में 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर, 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 8 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 1 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

- **फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वैस्टर बड़ी संख्या में भारत से अपने निवेश की निकासी कर रहे हैं।**

प्रदेश में 3 दिन बाद नए संक्रमितों की संख्या में फिर कमी आई

राज्य में रविवार को 60 नए संक्रमित मिले, जबकि शनिवार को 80 रोगी सामने आए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 मई । प्रदेश में तीन दिन की बढ़ोत्तरी के बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या में रविवार को फिर थोड़ी कमी आई है। इस दौरान राज्य में 60 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि, इस बीच राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 480 हो गए हैं।

प्रदेश में रविवार को 12 जिलों में 60 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 80 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 28 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा बारां में 11, अलवर में 4, अजमेर व बीकानेर में 3-3, दौसा, जोधपुर, कोटा व नागौर में 2-2 तथा झालावाड़, सिरोही और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

इस बीच 21 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में रविवार को भी नए करोना संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी कम हुई है। इस बीच राज्य में 58 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 12 लाख 75 हजार 139 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। उधर राज्य में करोना संक्रमित 480 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें 254 रोगी जयपुर जिले में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में रविवार को 16 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 6 नए मरीज वैशाली नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा व सांगानेर में 3-3, बनीपार्क, मालवीय नगर व एम.आई. रोड पर 2-2 तथा आदर्श नगर, सी-स्कीम, चांदपोल, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, खातीपुरा, मानसरोवर, प्रताप नगर और सोड़ाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

वहीं एक मरीज का पता सही नहीं मिला है। इस बीच जिले में 35 मरीज ठीक हुए हैं।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 28 नए संक्रमित मिले है।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 480 हो गए हैं।**

दलित युवक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह श्रीडूंगरगढ़ मार्ग पर सुबह 10 बजे एक युवक का शव पड़ा मिला था। जेब खंगालने पर मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान लखासर निवासी 34 वर्षीय कुशाल मेघवाल के रूप में हुई है। उसके परिजनों को सूचित करके बुलाया गया। जिसके बाद कुशाल की पुष्टि हो गई। पुलिस का मानना है कि सुबह शव फेंकने से पहले उसकी हत्या कहीं ओर की गई थी। बाद में शव बीच सड़क पर फेंक दिया गया। बीकानेर से पहुंची एफ.एस.एल. की टीम ने शव के आसपास पड़े सामान को कब्जे में लिया। उसके शरीर पर लगी चोट का भी मुआयना किया। शव को श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उधर, मृतक की मौत के बाद से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। मृतक के परिजन हत्यारों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम नहीं करवाने पर अड़े हुए थे बाद में समझाईश के बाद पोस्टमार्टम सहमत हुए।

श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी वेदपाल ने कहा है कि मृतक के प्राइवेट पार्ट पर त्वचा झुलसने के कारण कट लगा हुआ है। प्राइवेट पार्ट कटा नहीं है डॉक्टर्स ने भी अपनी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस आशय की रिपोर्ट दी है।

मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मुफ्त एनिमल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस सेवा पर 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा के लिय टोल फ्री नंबर होगा और एंबुलेंस जी.पी.एस. प्रणाली से जुड़ा होगा।

राजस्थान राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ देगी माकपा

नई दिल्ली, 22 मई। राजस्थान की 4 राज्यसभा सीटों पर 10 जून को चुनाव होने है। माकपा के पूर्व महासचिव प्रकाश करात ने संकेत दिया है कि राज्यसभा चुनाव मे उनकी पार्टी कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन करेगी। राजस्थान में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 2 विधायक है।

राजधानी जयपुर में मीडिया से बात करते हुए प्रकाश कारात ने कहा कि उनकी पार्टी की कोशिश रहेगी कि भाजपा का कोई प्रत्याशी न जीते, लेकिन कांग्रेस से भी हमारा कोई गठबंधन नहीं है। करात ने साफ कहा कि राज्यसभा चुनाव में बीजेपी का प्रत्याशी न जीते इसके लिए जो भी कुछ हो सकेगा उसका प्रयास उनकी पार्टी करेगी।

- **अब भाजपा काफी हद तक निर्दलीय विधायकों पर निर्भर रह गई है, दूसरी राज्यसभा सीट पर जीत के लिए।**

प्रकाश करात के बयान से साफ है कि भाजपा प्रत्याशी को हराने की बात आएगी तो राजस्थान में माकपा कांग्रेस को भी समर्थन देगी।

राजस्थान विधानसभा में संख्या बल कांग्रेस के पक्ष में है। कांग्रेस के पास 108 विधायक, भाजपा के पास 71, निर्दलीय 13, आर.एल.पी. 3, बी.टी.पी. 2, माकपा 2 और आर.एल.डी. के पास एक विधायक है। संभावना है कि मौजूदा संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस 4 में 3 राज्यसभा की सीट आसानी से जीत जाएगी।

माना जा रहा है कि बीजेपी 4 में से 2 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। पार्टी कम से कम 2 सीटों पर अपना प्रत्याशी खड़ा कर कांग्रेस को चुनौती देगी।

80 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कट्टों को हटाकर नीचे देखा गया तो वहां भारी मात्रा में डोडा पोस्त भरा हुआ था। वजन कराने पर 2508 किलो डोडा-पोस्त भरा हुआ मिला। डोडा-पोस्त व ट्रक को जब्त कर लिया गया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नागौर सी.ओ. विनोद कुमार सीपा ने बताया कि प्रारम्भिक जांच पड़ताल में पता चला है कि ट्रक मालिक जोधपुर का है। मामले में पुलिस टीमें लगाकर पूरे खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

ये कार्रवाई पिछले 10 सालों में नशा तस्करी के खिलाफ की गई नागौर पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

बंगाल में भाजपा सांसद अर्जुन सिंह तृणमूल में शामिल हुये

कोलकाता, 22 मई। पश्चिम बंगाल में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह रविवार को घरवापसी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में उन्हें पार्टी जॉइन कराई।

अब तक बीते 11 महीनों में पांच सांसद तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। बंगाल के बैरकपुर से बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह के हालिया ट्वीट्स ने ही उन अटकलों को जन्म दे दिया था कि वह पार्टी से असंतुष्ट चल रहे हैं। अर्जुन सिंह ने हाल ही में पार्टी में सीनियर पद रहने के बाद भी ठीक से काम नहीं करने देने के लिए पश्चिम बंगाल की बीजेपी नेतृत्व की आलोचना की थी। अर्जुन सिंह साल 2001 में टी.एम.सी. से विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में वो बीजेपी में शामिल हो गए। पार्टी ने बैरकपुर से टिकट दिया और वो सांसद बन गए। करीब तीन साल बाद वो एक बार फिर अपनी पुरानी पार्टी में चले गए हैं। अर्जुन सिंह के राजनीति जीवन की शुरुआत कांग्रेस पार्टी के साथ हुई थी।

- **बीते 11 महीनों में 5 सांसद भाजपा छोड़ चुके हैं।**
- **अर्जुन सिंह साल 2001 में टीएमसी से विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में वो बीजेपी में शामिल हो गए।**
- **एक तरह से अर्जुन सिंह ने भी "घरवापसी" की है।**

'केन्द्र सरकार 15 रु. बढ़ाती है तो 9 रु. कम करती है'

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि, पैट्रोल-डीजल के दाम में कटौती के नाम पर जनता की आंखों में धूल झोंक रही है केन्द्र सरकार

नई दिल्ली, 22 मई। केंद्र सरकार ने बीते दिन एक बार फिर पैट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इसके बाद राजस्थान और केरल राज्य ने पैट्रोल--डीजल पर वैट घटाया है। वहीं, महाराष्ट्र में तेल की कीमतों में वैट घटाने को लेकर शिवसेना सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अभी तक महाराष्ट्र की जी.एस.टी. की रकम लौटाई नहीं है, अगर वह रकम लौटा दे तो हम भी इस संबंध में कुछ करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे हजारों करोड़ रुपये केंद्र सरकार के ऊपर बकाया हैं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा, "पैट्रोल और डीजल की कीमतों को कम करने का फैसला मुख्यमंत्री लेंगे, लेकिन केंद्र सरकार पहले 15 रुपये बढ़ाती है और फिर बाद में 9 रुपये कम करती है। तेल की कीमतों को कम करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की ही है।"

वहीं, राउत ने दाउद को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "40 साल से कितनी सरकार केंद्र में आई और चली गई, सबके मुंह में एक ही नाम है दाऊद। केंद्र सरकार को मालूम है कि दाऊद कहां, किस स्थिति में है, तो पाकिस्तान जाइए और उसे पकड़ कर मुंबई लाइए। वो मुंबई बॉम्ब ब्लास्ट का सबसे बड़ा गुनहगार है।"

उन्होंने कहा, " जिस तरह से अमेरिका ने लादेन को मारा था। उसी तरह से मोदी सरकार को भी दाऊद को पकड़ कर लाना चाहिए। सिर्फ दाऊद- दाऊद करते रहने से कुछ नहीं होगा। संजय राउत ने केंद्र पर यह हमला पत्रकारों के नवाब मलिक और दाऊद इब्राहिम के संबंध में सवाल पर किया।

वहीं, केंद्र की ओर से तेल की कीमतों में राहत देने पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने राज्यों को तेल पर वैट कम करने की सलाह दी। उन्होंने ट्वीट किया," काफी समय बाद अब केंद्र ने देश में हर तरफ बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व तनाव आदि की मार से त्रस्त बदहाल जीवन जीने को मजबूर लोगों को पैट्रोल-डीजल के शुल्क में थोड़ी राहत दी है, अब यू.पी. व अन्य राज्यों की जिम्मेदारी बनती है कि वे केंद्र की बात मानकर इन पर तत्काल वैट कम करें।

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, "इसी प्रकार, अब समय आ गया है कि केंद्र व राज्य सरकारें, राजनीतिक स्वार्थ व आपसी नफा-नुकसान को त्यागते हुए, साथ मिलकर दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही इन राष्ट्रीय समस्याओं पर समुचित ध्यान दें, ताकि यहां आम जनजीवन सामान्य हो सके।" कांग्रेस ने कहा है कि सरकार पैट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर लाभ कमा रही है और अब दाम घटाकर लोगों की आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार पैट्रोल और डीजल के दाम घटाकर जनता को धोखा देने का काम किया है। सच यह है कि सरकार कीमतें कम करके भी जनता से दोगुना से ज्यादा पैसा वसूल कर रही है और कीमतें घटाने का छलावा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पैट्रोल पर सरकार ने आठ रुपये और डीजल पर छह रुपए प्रति लीटर की कटौती कर अपने लाभ को दोगुना से कम नहीं होने दिया। उनका कहना था कि यह ठीक उसी तरह की नीति है जैसे कुछ दुकानों पर सेल पर बेची जाने वाली वस्तुओं की कीमत दोगुना करके 50 प्रतिशत कम पर बेचने की बात कर छूट के नाम पर लूट की जाती है।

प्रवक्ता ने कहा कि पेट्रोल डीजल रसोई गैस जिस दाम पर 2014 में थे आज उनकी कीमत लगभग दोगुना है। पिछले 60 दिन से पैट्रोल डीजल पर लगातार बढ़ोतरी की गई है और अब आठ और छह रुपये घटा कर जनता की आंख में धूल झोंकने का काम हुआ है जबकि सरकार इस छूट के बावजूद अब भी पैट्रोल डीजल पर दोगुना लाभ अर्जित कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908